संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -235 बुधवार ,26 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

आज लोकसभा स्पीकर पर पहली बार होगा चुनाव

» ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष ने के. सुरेश को उतारा मैदान में...

» लोकसभा स्पीकर पर कोई सहमति नहीं...

» टीएमसी ने कहा-कांग्रेस का फैसला एकतरफा...

नई दिल्ली,25 जून 2024(ए)। 18 वीं लोकसभा के पहले सत्र का मंगलवार (25 जून) को दूसरा दिन है। लोकसभा स्पीकर को लेकर पक्ष-विपक्ष के बीच टकराव बढ़ गया है। एनडीए प्रत्याशी ओम बिरला के खिलाफ कांग्रेस ने के. सुरेश को उतारा है। दोनों ने दोपहर 12 बजे से पहले नॉमिनेशन फाइल किया। वोटिंग 26 जून को सुबह 11 बजे होगी। कांग्रेस सांसद के. सुरेश की दावेदारी पर तृणमूल कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा- हमसे इस बारे में कोई बात नहीं हुई है। दुर्भाग्य से ये एकतरफा फैसला है। अभिषेक के बयान पर राहुल ने कहा-जय संविधान।

इससे पहले सुबह राहुल संसद पहुंचे तो कहा-कांग्रेस अध्यक्ष के पास स्पीकर के समर्थन के लिए राजनाथ सिंह का फोन आया था। विपक्ष ने साफ कहा है कि हम स्पीकर को समर्थन देंगे, लेकिन विपक्ष को डिप्टी स्पीकर का पद मिलना चाहिए। राजनाथ सिंह ने दोबारा फोन करने की बात कही थी, हालांकि कॉल नहीं आया।

राहुल के बयान पर राजनाथ सिंह ने संसद के बाहर मीडिया से कहा कि मैंने स्पीकर पद के समर्थन के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से तीन बार फोन पर बातचीत की है। वे सीनियर लीडर हैं। मैं उनका सम्मान करता हूं।

बिरला जीते तो दोबारा स्पीकर बनने वाले भाजपा के पहले सांसद होंगे

एनडीए की ओर से ओम बिरला दोबारा स्पीकर पद के कैंडिडेट हैं। राजस्थान के कोटा से सांसद ओम बिरला 2019 से 2024 तक स्पीकर रह चुके हैं। वे जीतते हैं तो भाजपा के पहले ऐसे सांसद होंगे, जो लगातार दूसरी बार लोकसभा स्पीकर का पद संभालेंगे। अगर वे अपना कार्यकाल पूरा कर लेते हैं तो कांग्रेस के बलराम जाखड़ के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे।दरअसल, बलराम जाखड़ 1980 से 1985 और 1985 से 1989 तक लगातार दो बार लोकसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने अपने दोनों कार्यकाल पूरे किए थे। इनके अलावा जीएमसी बालयोगी और पीए संगमा जैसे नेता दो बार लोकसभा अध्यक्ष तो बने,लेकिन 5-5 साल के कार्यकाल पूरे नहीं कर पाए।

बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने लोकसभा सदस्य की शपथ लेने के लिए री-नीट लिखी टी-शर्ट पहने नजर आए। शपथ के बाद उन्होंने नारा लगाते हुए कहा, री-नीट, बिहार को विशेष दर्जा,सीमांचल जिंदाबाद, मानवतावाद जिंदाबाद, भीम जिंदाबाद, संविधान जिंदाबाद।

स्पीकर चुनाव में एनडीए के समर्थन में वाईएसआरसीपीः मीडिया रिपोर्ट्स

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी लोकसभा स्पीकर चुनाव में एनडीए का समर्थन करेगी। पार्टी के 4 सांसद हैं। सभी एनडीए प्रत्याशी ओम बिरला के समर्थन में हैं।

कांग्रेस और भाजपा ने अपने सांसदों को व्हिप जारी किया

कांग्रेस और भाजपा ने लोकसभा के स्पीकर चुनाव के मद्देनजर अपने सांसदों को संसद में उपस्थित रहने का व्हीप जारी किया है। भाजपा ने एनडीए के सभी सांसदों को सुबह एनडीए को सुबह 10.30 बजे संसद भवन मौजूद रहने का निर्देश दिया है। वहीं, कांग्रेस ने सुबह 11 बजे तक अपने सांसदों को पहुंचने का कहा है।

मत विभाजन की मांग हुई तो कागज की पर्चियों से होगी वोटिंग

26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होना है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर विपक्ष इस चुनाव के दौरान मत विभाजन पर जोर देता है तो वोटिंग कागज की पर्चियों के जरिए की जाएगी, क्योंकि नए सदन में सदस्यों को अब तक सीटें आवंटित नहीं गई हैं। ऐसे में इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले सिस्टम का उपयोग नहीं किया जा सकता है। एनडीए की तरफ से ओम बिरला उम्मीदवार हैं, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने कोडिक्कुन्निल सुरेश को उम्मीदवार बनाया है। संविधान विशेषज्ञ और पूर्व लोकसभा सचिव जनरल पी डी टी आचार्य ने बताया कि जिस क्रम में प्रस्ताव मिले हैं, उन्हें उसी क्रम में एक-एक करके रखा जाएगा। अगर जरूरी हुआ, तो इन्हें मत विभाजन के जरिए तय किया जाएगा।

उन्होंने कहा- अगर अध्यक्ष के नाम का प्रस्ताव सदन में ध्वनि मत से स्वीकृत हो जाता है, तो अध्यक्षता करने वाला अधिकारी घोषित करेगा कि सदस्य को सदन का अध्यक्ष चुना गया है। वह बाद के प्रस्ताव को वोट के लिए नहीं रखेगा। लेकिन अगर विपक्ष वोटों के विभाजन की मांग करता है, तो सदन के कर्मचारी सांसदों को पर्चियां बांटेंगे और इन पर्चियों के जरिए वोटिंग की जाएगी।

विशेषज्ञ ने कहा कि 18 वीं लोकसभा के सदस्यों को नई ससंद में सीटें आवंटित नहीं की गई हैं, इसलिए इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले सिस्टम का उपयोग नहीं किया जा सकता है। कागजी पर्चियों का उपयोग होने के कारण, परिणाम आने में कुछ समय लगेगा।

शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा-लोकसभा अध्यक्ष के लिए फिर से ओम बिरला का नाम सामने आ रहा है और केंद्र सरकार विपक्ष से कह रही है कि आप समर्थन इसमें दीजिए। जबकि देश की जनता ने आपको बहुमत नहीं दिया है और उन्होंने संदेश दिया है कि इसमें फेरबदल कीजिए।

लेकिन फिर भी आप उन्हीं को तय किए हैं। ये स्पीकर वही हैं जिन्होंने 130 से अधिक सांसदों को सस्पेंड किया था। यह इतिहास में पहले बार हुआ था। काफी चीज़ों पर चर्चा न होकर सीधा कानून बन गया, इसलिए हमने कहा कि अगर स्पीकर पद में समर्थन चाहते हैं तो उपाध्यक्ष भी नियुक्त करें।

पानी की मांग को लेकर जलमंत्री आतिशी का भूख हड़ताल खत्म

» पांच दिन से अनशन पर थी

नई दिल्ली,25 जून 2024(ए)। पानी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठीं दिल्ली की जल मंत्री आतिशी की भूख हड़ताल पांचवें दिन खत्म हो गई है। इसकी जानकारी आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी है।

आप नेता ने कहा,आज हम लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिल्ली के हक का पानी दिलाने के लिए पत्र लिख रहे हैं। एलजी साहब ने भी हरियाणा के मुख्यमंत्री से बात की है। जिसके बाद अब इस अनिश्चितकालीन अनशन को रोका जा रहा है। अब हम दिल्ली के हक का पानी दिलाने के लिए सभी विपक्षी दलों के साथ संसद में भी आवाज उठायेंगे।

आपको बता दें कि आतिशी की मंगलवार तड़के तबीयत अचानक खराब हो गई था, जिसके बाद उन्हें दिल्ली के लोकनायक अस्पताल (एलएनजेपी) के के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है।

केजरीवाल को जमानत के फैसले को हाई कोर्ट ने बताया गलत

खामियां बताकर रिहाई को रोका

नई दिल्ली,25 जून 2024(ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें मिली जमानत पर रोक लगा दी है। दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश में कई खामियां गिनाते हुए केजरीवाल के खिलाफ ईडी की याचिका पर यह फैसला दिया। फैसले के मुताबिक केजरीवाल को शराब घोटाला मामले में अभी जेल में ही रहना होगा।

भाजपा ने आपातकाल को काला दिवस के रूप में मनाया

» बीजेपी ने दफ्तर के बाहर लगाया पोस्टर...

नई दिल्ली,25 जून 2024(ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंगलवार को आपातकाल को काला दिवस के रूप में मनायी। दिल्ली भाजपा प्रदेश दफ्तर के बाहर होर्डिंग भी लगाए गए हैं।

दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर होर्डिंग पर '25 जून 1975 लोकतंत्र का काला दिवस,कभी न भूलने वाला आपातकाल' लिखा है। भाजपा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्टर भी शेयर किया,जिस पर लिखा है कांग्रेस की काली करतूत व लोकतंत्र के सबसे काले अध्याय 25 जून 1975 आपातकाल के विरोध में उठ रहे हर स्वर का हृदय से वंदन।

इसके कैप्शन में लिखा कि भारतीय

लोकतंत्र और राजनीति के सबसे काले अध्याय, आपातकाल (25 जून, 1975), का विरोध करने और लोकतांत्रिक मूल्यों की आस्था को संजोकर रखने वाले सभी सत्याग्रहियों को सादर नमन।

इस बीच केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया,देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। साल 1975 में आज के ही दिन कांग्रेस के द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

उन्होंने आगे लिखा कि अहंकार में डूबी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी,संविधान में बदलाव किए और न्यायालय तक के हाथ बाँध दिए थे। आपातकाल के खिलाफ संसद से सड़क तक आंदोलन करने वाले असंख्य सत्याग्रहियों, समाजसेवियों, श्रमिकों, किसानों, युवाओं व महिलाओं के संघर्ष को नमन करता हूं।

बता दें कि 25 जून 1975 को ही इंदिरा गांधी ने 'आपातकाल' की घोषणा की थी। भाजपा 25 जून को आपातकाल को काला दिवस के रूप में मना रही है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की तैयारी

» अमरनाथ यात्रा को बनाया जा सकता है निशाना

नई दिल्ली,25 जून 2024(ए)। अमरनाथ यात्रा को निशाना बनाने के लिए पाकिस्तान में साजिश रची जा रही है। हथियारों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचाने के लिए लाहौर और बहावलपुर में भी मीटिंग हुई है। लश्कर आतंकी संगठन की एक बड़ी मीटिंग जम्मू-कश्मीर को लेकर लाहौर में हुई है। इस मीटिंग में लश्कर का नंबर टू का आतंकी आमिर अब्दुल रहमान मक्की शामिल था। इस मीटिंग का मेन एजेंडा कम से कम 20 रू फोर अमेरिकी हथियार को जम्मू-कश्मीर में भेजने का है। इसके जरिए अमरनाथ यात्रा के पूरे रूट पर अलग-अलग जगहों पर अटैक करना है। वहीं, दूसरी मीटिंग जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों की बहावलपुर में हुई है। इस मीटिंग को मुफ्ती अब्दुल रऊफ ने पाकिस्तानी आईएसआईएस और आतंकियों के साथ मिलकर किया है। इसमें जैश-ए-मोहम्मद के ओवर ग्राउंड वर्कर और इन्फॉर्म वर्ष को पैसा पहुंचाकर एक्टिव करने के लिए कहा गया है। साथ में घाटी के अंदर ही नहीं बल्कि जम्मू में भी हथियार पहुंचाकर फिदायीन हमला करने की साजिश रची गई है।

आईपीएस तपन पर मोदी सरकार का भरोसा

» खुफिया चीफ पद पर दिया एक्सटेंशन

नई दिल्ली,25 जून 2024(ए)। खुफिया ब्यूरो (आईबी) प्रमुख तपन कुमार डेका को एक वर्ष का सेवा विस्तार मिला है। इस संबंध में कार्मिक मंत्रालय की ओर से आदेश जारी किया गया है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने औपचारिक रूप से इस विस्तार को मंजूरी दी है। ऐसे में डेका का कार्यकाल 30 जून, 2024 से आगे एक वर्ष आगे तक जारी रहेगा। जारी किये गए आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 30 जून, 2024 से आगे एक साल की अवधि के लिए इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक के रूप में डेका की सेवा में विस्तार को मंजूरी दे दी है। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस

सेवा (आईपीएस) अधिकारी तपन कुमार डेका खुफिया ब्यूरो में बेहतर अधिकारी को तौर पर काम करते रहे हैं. ऐसे में केंद्र सरकार की ओर से उन्हें एक साल का सेवा विस्तार देकर एक बार फिर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तपन कुमार डेका ने अपने करियर का ज्यादातर समय इंटेलिजेंस ब्यूरो में बिताया है। वह इंटेलिजेंस ब्यूरो में अतिरिक्त निदेशक थे जब उन्हें पिछले साल जून में विंग में विशेष निदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया था, डेका ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, विशेषकर घाटी में लक्षित हत्याओं जैसे महत्वपूर्ण मामलों को संभाला है। 1988 बैच के हिमाचल प्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी तपन कुमार डेका को दो साल के कार्यकाल के लिए इंटेलिजेंस ब्यूरो का निदेशक नियुक्त किया गया।

शार्ट सर्किट से इन्वर्टर में लगा आग

घर में सो रहे दंपति सहित चार जिंदा जले

नई दिल्ली,25 जून 2024(ए)। दिल्ली के प्रेम नगर क्षेत्र के एक घर में आग लगने से परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और दो बेटे शामिल हैं। इस हादसे से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि घटना सुबह करीब साढ़े 3 बजे हुई है। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई। दमकल की दो गाड़ियों के जरिए आग पर काबू पा लिया गया। शुरूआती जांच में पता चला है कि आग इनवर्टर में शॉट सर्किट के कारण लगी है। जिस जगह इनवर्टर लगा था वहीं सोफा भी रखा हुआ था। इनवर्टर में अचानक शॉट सर्किट की वजह से निकली चिंगारी से सोफे में आग लग गई। सोफे के कवर से निकला धुआं घर में फैल गया। हादसे में परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में हीरा सिंह उनकी पत्नी नीतू सिंह उनके दो बेटे रॉबिन 22 वर्ष और लक्ष्य 21 वर्ष शामिल हैं। सभी को अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस हादसे की जांच कर रही है। शवों को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है।

पूर्व सांसद प्रज्जवल रेवन्ना के खिलाफ दर्ज हुई एक और एफआईआर

» यौन शोषण और उत्पीड़न का आरोप

बंगलूरू,25 जून 2024(ए)। कई महिलाओं के यौन शोषण और दुष्कर्म के आरोपों में घिरे जनता दल सेक्युलर (जेडी-एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। दरअसल उन पर एक और एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह एफआईएआर यौन शोषण और आपराधिक धमकी देने को लेकर की गई है।

एफआईआर में तीन लोगों के नाम

एफआईआर में कुल मिलाकर तीन लोगों के नाम शामिल हैं। इनमें हासन से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा का नाम भी शामिल है। गौड़ा पर प्रज्वल द्वारा पीड़ित के यौन शोषण के दौरान खींची गई तस्वीरों को साझा करने का आरोप है। इस नई एफआईआर के साथ प्रज्वल पर अब तक कुल चार मामले दर्ज हो गए हैं। पुलिस सूत्रों ने कहा 'प्रज्वल के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक नया मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में पूर्व भाजपा विधायक प्रीतम गौड़ा का नाम भी शामिल है। भारतीय दंड संहिता की धारा 355 ए (यौन उत्पीड़न), 354 बी (गलत इरादे से महिला पर हमला), 354 डी (पीछा करना), 506 (आपराधिक धमकी) और 66 ई के तहत मामला दर्ज किया गया है।'

एक के बाद एक 6 सिलेंडर हुए ब्लास्ट

धार,25 जून 2024(ए)। मध्यप्रदेश के धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर एक थाना क्षेत्र के छत्रछाया कालोनी में घरेलू गैस सिलेंडर में विस्फोट होने के साथ भीषण आग लग गई। बताया जाता है कि एक बाद एक गैस सिलेंडर में विस्फोट होते रहे है। ऐसे छोटे-बड़े क़रीब 6 गैस सिलेंडर ब्लास्ट हुए है। ग़नीमत रही इस घटना में कोई जनहानी नही हुई है। वही गैस सिलेंडर में ब्लास्ट के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा तफ़री का माहौल हो गया था। सूचना

मिलते ही पुलिस बल और नगर पालिका टीम टैंकर लेकर आग बुझाने के लिए पहुंच गई। वही उद्योगों की करीब 4 दमकल की गाड़ियों और नगर पालिका के पानी के टैंकरों की सहायता से किसी तरह आग पर काबू पाया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशिकांत शुक्ला ने बताया कि छत्रछाया कॉलोनी में खंडेलवाल का मकान है, जहां से गैस रिफिलिंग का कार्य होता था। रिफिलिंग के दौरान यह हादसा हुआ है। एक के बाद एक धमाके होते रहे करीब 6 सिलेंडर ब्लास्ट हुए हैं। हालांकि किसी के जन हानि होने की सूचना नहीं है, वही ऐसे रहवासी क्षेत्र में रिफिलिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

लोकप्रिय सरकार का गठन होगा

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में थे। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद उनका कश्मीर का यह पहला दौरा है।आतंकी हमलों के बीच मोदी का कश्मीर दौरा काफी अहम माना जा रहा है। उन्होंने अपने भाषण में आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया। पिछले दिनों यहां लगातार चार आतंकी हमले हुए जिन्होंने सुरक्षा बलों और गृह मंत्रालय की चिंता बढ़ा दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को सबक सिखाने में हिचकिचाएंगे नहीं।लोक सभा का चुनाव यहां शांतिपूर्ण हुआ और लोगों ने उत्साह के साथ मतदान में भाग लिया। जाहिर है इसके कारण मतदान प्रतिशत में भारी इजाफा हुआ। अलगाववादियों और आतंकवादियों को यह पसंद नहीं आया और उन्होंने एक के बाद एक हमले किए जिनमें तीर्थयात्री भी शामिल थे। वास्तव में आतंकी विश्व जनमत को संदेश देना चाहते थे कि कश्मीर में सबकुछ सामान्य नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार प्रदेश में लोक सभा के चुनाव हुए।इस चुनाव में लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए जिस उत्साह से घरों से बाहर निकले उससे प्रधानमंत्री मोदी भी उत्साहित हुए। उन्होंने कहा कि सबको बांटने वाले अनुच्छेद 370 की दीवार अब गिर चुकी है।वास्तव में 5 अगस्त, 2019 का ऐतिहासिक दिन कश्मीर और समूचे भारतवासियों के लिए बंदिशों से आजादी का दिन था। अब यहां पर्यटक बेखौफ होकर आ रहे हैं। युवा वर्ग अपने करियर के बारे में जागरूक हो गया है। अनुकूल वातावरण को देखकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रदेश में जब भी विधानसभा के चुनाव होंगे और इस केंद्रशासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलेगा।उन्होंने कश्मीर के बारे में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नजरिये इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत' को याद करते हुए कहा कि इसे हम हकीकत में बदलते हुए देख रहे हैं।उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव जल्द होंगे और लोकप्रिय सरकार का गठन होगा। लेकिन केंद्र सरकार को सतर्क रहना होगा क्योंकि आतंकवादी चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

लोकसभा के सत्र नई उम्मीदों को पंख लगाये

» संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है...देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है...यदि वहां भी शालीनता,मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बे लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है...

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है।

संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जायेगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान खोजे जा सके। उचित यह होगा कि संसद में दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें, नयी संभावनाओं एवं सौहार्द का वातावरण बनाते हुए नई उम्मीदों एवं संकल्पों के सत्र के रूप में इस सत्र एवं आगे के सत्रों का संचालन होने दें।

अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र को लेकर उत्सुकता एवं कुतूहल का वातावरण पक्ष-विपक्ष के नवनिर्वाचित सांसदों में ही नहीं,बल्कि आम जनता में भी है। गठबंधन की स्थितियों के कारण यह लोकसभा पिछली लोकसभा से भिन्न होगी। इस बार विपक्ष का संख्या बल कहीं अधिक है और सत्तापक्ष गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहा है। यद्यपि यह गठबंधन सरकार अतीत की गठबंधन सरकारों से भिन्न है, क्योंकि उसका नेतृत्व करने वाला दल यानी भाजपा बहुमत से कुछ ही पीछे है। इसके बावजूद संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। इस टकराव के आसार भी उभर आए हैं, क्योंकि विपक्ष को प्रोटेम स्पीकर के नाम पर आपत्ति है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की मानसिकता संसदीय सत्रों में देश-विकास की योजनाओं पर निर्णय में सहभागिता से अधिक सत्ता पक्ष को घेरने एवं सरकार के कामकाज को बाधिक करने की ही अधिक दिखाई दे रही है। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अतः आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ एवं सौहार्द भावना की। जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने की। राजनीतिक दल द्वंद्व, एक दूसरे की आलोचना एवं विरोध की स्थितियां चुनाव के मैदान तक सीमित करें, उन्हें संसद तक न लाये। संसद में तो सभी दल मिलकर राष्ट्र-निर्माण का काम करें। एक सांसद के साथ दूसरा सांसद जुड़े तो लगे मानो स्वेटर की डिजाईन में कोई रंग डाला हो। सेवा एवं जनप्रतिनिधित्व का क्षेत्र मोजॉयक है, जहां हर रंग,हर दाना विविधता में एकता का प्रतिक्षण बोध करवाता है। अगर हम सांसदों में आदर्श स्थापित करने के लिए उसकी जुझारू चेतना को विकसित कर सकें तो निश्चय ही आदर्श विहिन असंतुष्टों की पंक्ति को छोटा कर सकेंगे और ऐसा करके ही संसद को गरिमापूर्ण मंच बना पायेंगे।नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटे हैं। मोदी का लोकसभा सदस्य एवं प्रधानमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने वाराणसी सीट बरकरार रखी, जिसे वे 2014 से जीतते आ रहे हैं। पहली बार नए संसद भवन में शपथग्रहण हुआ। भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा दूसरी बार है कि जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार शासन करने का अवसर दिया है। ये मौका 60 साल बाद आया है। अगर जनता ने ऐसा फैसला किया है तो उसने सरकार की नियत पर मुहर लगाई है। उसकी नीतियों पर मुहर लगाई है। जनता के फैसले का स्वागत होना चाहिए, लेकिन ऐसा न होना संसद के साथ-साथ भारत के लिये परेशानी का कारण है। आज भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के साथ अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की ओर गतिशील है। भारत की बात दुनिया बड़ी ध्यान से सुनती है, वही दुश्मन देश भारत पर तिरछी नजर डालने से पहले सौ बार सोचते हैं, यह भारत की बड़ी ताकत का द्योतक है, जिसे पक्ष एवं विपक्ष मिलकर सहेजे और नये आयाम उद्घाटित करें। इन विषयों पर गंभीर चिन्तन-मंथन की संसद के पटल पर अपेक्षा है। जबकि निश्चित ही छोटी-छोटी बातों पर अभद्र एवं अशालीन शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि घटनाओं का संसद के पटल पर होना दुखद, त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण है। इससे संसद की गरिमा एवं मर्यादा को गहरा आघात लगता है। यह सिलसिला बंद होना चाहिए। जहां विपक्ष का यह दायित्व है कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर सरकार से जवाब तलब करे वहीं सत्तापक्ष की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहे। यदि ऐसा नहीं होता तो यह निराशाजनक ही होगा।

राष्ट्रीय चरित्र का दिन-प्रतिदिन नैतिक ह्रास हो रहा है। हर गलत-सही तरीके से हम सब कुछ पा लेना चाहते हैं। अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए कर्तव्य को गौण कर देते हैं। इस तरह से जन्मे हर स्तर के अशालीन एवं असभ्य व्यवहार से राष्ट्रीय जीवन में एक विकृति पैदा होती है, संसद को ही दूषित कर दिया जाता है, अठारहवीं लोकसभा के सभी सत्र इस त्रासदी से मुक्त हो, यह अपेक्षित है। विपक्षी सांसदों की यह कैसी त्रासद मानसिकता है कि वे सब चाहते हैं कि हम आलोचना करें पर काम नहीं करें। हम गलतियां निकालें पर दायित्व स्वीकार नहीं करें। जरूरत इस बात की भी है कि संसद को शुद्ध सांसें मिले, संसदीय जीवन जीने का शालीन, मर्यादित एवं सभ्य तरीका मिले।

-ललित गर्ग-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सरकार को रोजगार सृजन करने की है जरूरत

यकीनन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी।

इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होगी। जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं।इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83 फीसद बेरोजगार युवा थे। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारत की कुल श्रम शक्ति की भागीदारी दर मात्र 58 प्रतिशत है, जो भारत के एशियाई समकक्ष देशों की तुलना में बहुत कम है। निसंदेह नई गठबंधन सरकार को बेरोजगारी संबंधी चिंताजनक नए आंकड़ों को ध्यान में रखना होगा। हाल ही पिछले दस वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में कम बहुत है।राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) में बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है।सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढ़कर चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के लोग पहली बार श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। इससे शहरी रोजगार के बाजार में गिरावट का पता चलता है। अब नई सरकार के द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा। इन सेक्टरों में करोड़ों लोगों को रोजगार तो मिल रहा है, लेकिन भविष्य एकदम सुरक्षित नहीं है। जून 2022 में प्रस्तुत नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के 77 लाख लोग इस समय गिग इकोनॉमी का हिस्सा हैं। अनुमान है कि 2029-30 तक इनकी संख्या 2.35 करोड़ हो जाएगी।गिग वर्कर्स के लिए बड़ी समस्या नौकरी जाने का खतरा और प्रोविडेंट फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलना है। देश में रोजगार के मद्देनजर महिलाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के प्रौद्योगिकी कार्यबल में केवल 36 फीसद महिलाएं हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों में महिलाओं की भागीदारी केवल 14 फीसद है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्र में महिलाओं का रोजगार कम है और भारत के बड़े अवसरों के लिए महिलाओं की कम भागीदारी चुनौतीपूर्ण है। निश्चित रूप से नई गठबंधन सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढ़ना होगा। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह नई पीढ़ी के द्वारा स्वरोजगार के मौके मुट्ठी में लिए जा रहे हैं।उनकी रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। हाल ही में शोध संस्थान स्कॉच की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में 51.40 करोड़ रोजगार मिले हैं। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएमए-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यू, और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विगत 10 वर्षो में ऑर्टफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई स्किल्स से नई पीढ़ी को सुसज्जित करके उनके लिए रोजगार के मौके बढ़ाए हैं।अब तीसरे कार्यकाल में देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों की (जीसीसी) स्थापनाओं की रफ्तार तेजी से बढ़ाकर नए तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अधिक मौके सृजित करने की डगर पर आगे बढ़ा जाना होगा। चूंकि कई विकसित और विकासशील देशों में तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण उद्योग-कारोबार व सर्विस सेक्टर के विभिन्न कामों के लिए युवा हाथों की कमी हो गई तथा श्रम लागत बढने से ये देश कार्यबल संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में भारत को इस मौके को भुनाते हुए तेजी से आगे बढना होगा। सरकार ने 2023 तक भारतीय श्रमिक उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न देशों के साथ 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। नई गठबंधन सरकार को ऐसे समझौतों को अब और बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढना होगा।हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री मोदी की नई सरकार के द्वारा उनके विकास के एजेंडे में शामिल अधिक रोजगार के मुद्दे को प्राथमिकता के साथ ध्यान में रखा जाएगा। हम उम्मीद करें कि नई सरकार नई सरकारी नौकरियों के सृजन पर पूर्णरूपेण ध्यान देते हुए लघु-मध्यम उद्योग और असंगठित क्षेत्र में रोजगार की जरूरतों पर ध्यान देगी। साथ ही उम्मीद करें कि मोदी सरकार के श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और कौशल विकास व उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी 142 करोड़ से अधिक आबादी के साथ दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले भारत में दुनिया की सर्वाधिक युवा आबादी को नए उच्च गुणवत्ता वाले कौशल से सुसज्जित करके उनके चेहरों पर रोजगार की मुस्कुराहट देने के साथ देश की आर्थिक तस्वीर संवारने की संभावनाओं को साकार करने के लिए नई कारगर रणनीतियों के साथ आगे बढ़ेंगे।

-डॉ. जयंतीलाल भंडारी-

इमरान खान के हालात जुल्फिकार अली भुट्टो की तरह

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

इमरान खान को विभिन्न मामलों में आरोपी बनाकर लगभग 100 से ज्यादा आरोपों में अटक की जेल में सामान्य कैदियों की तरह रखा गया है, खैर यह तो होना ही था। पाकिस्तान का तो इतिहास ही रहा है कि उसके जितने अपदस्थ प्रधानमंत्री हुए हैं सब को जेल की हवा खानी पड़ी है। इमरान को भी इस बात को समझ जाना चाहिए था जिस तरह जुल्फिकार अली भुट्टो को जेल में कैद कर फांसी की सजा दे दी गई थी उसी तरह इमरान पर भी आरोप लगाकर पाकिस्तानी हुक्मरान जुल्फिकार की तरह का व्यवहार करने की तैयारी में है। भारत और पाकिस्तान दोनों अंग्रेजों की दासता से 1947 मैं स्वतंत्र हुए थे। दोनों देश विकास की धारणाएं अलग-अलग बनाकर आगे बढ़े थे। भारत विकास और शांति के सोपानों में निरंतर आगे बढा, पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारत ने पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत नए-नए कल कारखाने और कृषि को प्राथमिकता देते हुए आत्मनिर्भर होने का प्रयास किया गया, और काफी हद तक सफल भी रहा है। पाकिस्तान ने विकास की जगह भारत को सदैव नीचा दिखाने का प्रयास किया ,विकास के नाम पर वहां केवल युद्ध और हिंसा को प्राथमिकता दी गई। पाकिस्तान के इतिहास में 18 प्रधानमंत्रीयों ने कभी अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया। प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को विभिन्न आरोप लगाकर फांसी की सजा दे दी थी। उसके बाद उनकी पुत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या करवा दी गई ,नवाज शरीफ पर विभिन्न आरोप लगाकर लंदन में जाकर बसने को मजबूर कर दिया गया,बड़े दिनों वो वापस वतन लौटे है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से पूरा देश नियंत्रण से बाहर है । अब शहबाज शरीफ़ दूसरी बार प्रधान मंत्री बनें हैं।इमरान की लोकप्रियता देखते हुए इमरान खान को को जेल में डाला जाना पूर्व नियोजित ही था। 9 मई को जो अराजक तत्वों ने सरकारी इमारतों की तोड़फोड़ की उसका सारा आरोप इमरान खान पर लगाते हुए उन्हें एक बार गिरफ्तार भी कर लिया गया है। अब स्थिति यह है कि पाकिस्तान में आवाम को रोटी, चावल और पेट्रोल, गैस जैसी जरूरी चीजों के लिए तरसना पड़ रहा है। पाकिस्तान में अभी गृह युद्ध जैसे हालात पैदा हो गए हैं। पाकिस्तान की सेना के जनरल मुनीर पाकिस्तान में इमरान खान को पूरी तरह नेस्तनाबूद करने में लगे हुए हैं। इमरान खान के सभी बड़े समर्थक नेता पार्टी छोड़कर भाग चुके हैं। महंगाई बेरोजगारी और अराजकता पाकिस्तान में चरम सीमा पर है। प्रधानमंत्री शरीफ के पास देश को बचाने के लिए धनराशि भी नहीं है और इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ,सऊदी अरेबिया, चीन ने पाकिस्तान की मदद करने से हाथ ऊपर खड़े कर लिए हैं। पाकिस्तान में गृह युद्ध की आशंका को इनकार नहीं किया जा सकता ,ऐसे में पाकिस्तान में 1971 की तरह बांग्लादेश के निर्माण की कथा व्यथा और इतिहास को दोहराने की संभावना दिखाई दे रही है।

1971 में बांग्लादेश के बंगबंधु मुजीब उर रहमान ने गृह युद्ध की घोषणा कर भारत की मदद से पाकिस्तानी सेना का सामना कर पाकिस्तान को मजबूर कर दिया था और पाकिस्तानी सेना के 83000 जवानों ने जनरल नियाजी के नेतृत्व में भारत के जनरल अरोड़ा के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था इस तरह बांग्लादेश का पृथक से निर्माण हो पाया था। अब किसी तरह भी पाकिस्तान में फिर से गृह युद्ध होता है और मार्शल ला लगाया जाता है तो सिंध ,बलूचिस्तान और पाक अधिकृत काश्मीर के अलग होने की पूरी संभावना बन रही हैं वहां भी जनता पूरी तरह गृह युद्ध के तेवर में दिखाई देने लगी है। यदि ऐसा होता है तो पाकिस्तान के टुकड़े होने से कोई रोक नहीं सकता। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर 121 मुकदमें चलाए जा रहे हैं । पाक अधिकृत कश्मीर अलग स्वतंत्रत होने की पूरी तैयारी में है। दूसरी तरफ उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने आम जनता को दाल रोटी और चावल की कमी के कारण भूखमरी के हालात बन गए हैं पाकिस्तान के वर्तमान प्रधानमंत्री के सामने कई क्षेत्रों से चुनौतियां सामने आ रही हैं वह अपनी आवाम को खाना खिलाए या अपनी पुरानी उधारी का कर्ज कई देशों को वापस करें या फिर अपनी सेना को मार्शल ला लगाने से रोकें, शहबाज शरीफ अब पूरी तरह से लाचार दिखाई दे रहे हैं। उपरोक्त परिस्थितियों में पाकिस्तान का कोई भविष्य नजर नहीं आता है पाकिस्तान को वर्तमान स्थिति से उबरने के लिए आगामी 10 से 20 साल लग सकते हैं और यदि मार्शल ला लगता है तो निश्चित तौर पर पाकिस्तान के टुकड़े होने से पाकिस्तान रोक नहीं सकता है। पाकिस्तान बड़े देशों की तरफ देखकर निहार रहा है कि कोई उसकी मदद करने के लिए आगे आए परिस्थितियां ऐसी दिखाई नहीं दे रही है कोई बड़ा और समझदार देश पाकिस्तान के इन हालातों में उनकी मदद कर पाएगा। पाकिस्तान को खुद पाकिस्तान के हुक्मरानों ने अपने देश को इस विकराल परिस्थितियों में ढकेल दिया है।

बंद करो हमला

पवन तनय
अग्रहरि अद्वितीय
शाहगंज,जौनपुर,
उत्तरप्रदेश

बंद करो हमला
लगाओ नया गमला
मानवता को रोप दो
सुन्दर औ करीने से
सींच दो प्रेम बंधुत्व से
बुहार दो अपनापन से
प्रताप दो पौरूष से
नव आकार दो जिजीविषा से
उत्थान दो स्वाभिमान से
अरमान दो मुस्कान से
मानव धर्म को पहचान लो
अपना जीवन सुधार लो
प्रेम के झरोखे से
एकटक निहार लो
वक्षःस्थल को उभारकर
जीवन सार्थक बना लो
मानवता के पौधे से
सतरंगी फूल तोड़कर
सुगन्ध से सराबोर हो
वातावरण को गमका लो

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कविता हो तुम

-मोनिका डागा
आनंद ,
चेन्नई,
तमिलनाडु

तुम विभिन्न रसों से श्रृंगारित,चमत्कारिक सृजन हो,
ओस की नन्ही-नन्ही बूंदों सी,चमकती दिव्य रत्न हो,
हेमंत ऋतु में हौले से बहती,सुखद स्पर्श शीत लहरी हो,
स्वाति नक्षत्र में बरसती,बारिश की अमृत बूंद गहरी हो ।
होठों पर चमकती गुलाबी हंसी,प्रियतम का प्यार हो,
सुहानी धूप की स्वर्णिम रश्मियां,प्रकृति की बहार हो,
मधुरतम् वाणी से पल्लवित,शब्द सुमनों का हार हो,
आनंद जो जागृत हुआ भीतर,उसका दिव्य प्रसार हो ।
मेरी कल्पनाओं के संसार की,अनुपम अनुकृति हो,
शब्दों से सजाएं हुए,सुंदरतम् भावों की मूल प्रकृति हो,
मन में घुलते हुए अद्भुत,आनंद का अमृत बहाव हो,
हृदय में बसे सृजनात्मक,संगीत अनुबंध का झुकाव हो ।
आशा हो खुशियों की,
कलमकार के दिल की पुकार हो,
अन्तर्मन में खिलता हुआ,प्रेम का सुरभित अलंकार हो,
लेखनी से कागज पर उतारी,
दमकती स्वर्णिम आभा हो,
मां शारदा से मिली जगमगाती,
रौशन जीवन की प्रभा हो ।
तुम ही जनमानस के,
हृदय में बसी दुआओं का सार हो,
कविता हो तुम,परमानंद से
भरपूर हृदय की झंकार हो,
तुम ही हर्षोल्लास,चिंतन,
जीवन संजीवनी आधार हो,
तुम ही नित बढ़ता हुआ,
सत्य राग आकर्षण विस्तार हो ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

खेती-किसानी के दिन आगे

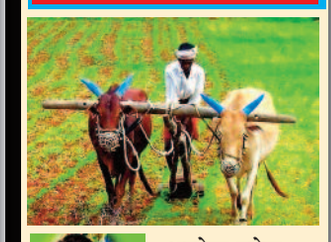

अशोक पटेल
आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

खेती-किसानी के, दिन आगे
माटी-पुत्र मन के, भाग जागे।
नांगर-बईला-जुड़ा, ह सजागे
अरई-तुतारी ह, अब सवंरागे।
खेत-खार मेड़-पार ह खनागे
कांदी-कचरा जम्मो कोड़ागे।
काँटा-खूंटी ह, सुग्घर बिनागे
गांसा-पाखार-मुही ह पटागे।
ढेलवानी म, राहेर हर बोंवागे
हिरवां-तिल घलो सुलियागे।
हरई-हरई हर, नांगर जोतागे
लूचाई, दुबराज धान छिंचागे।
नंगरिया के नांगर ह घुमरागे
कर्मा-ददरिया के तान सुनागे।
कोयली के कुहकी मीठ लागे
मेचका-झींगुर,मन अब टर्रागे।
बादर गरजे, पानी हर बरसागे
धरती दाई के प्यास ह बुझागे।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

यह कोई चमत्कार नहीं है...

ओटेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु,

वह सत्य किसी के लिए भी है
न जानने वाला, न समझने वाला
तथापि वह वाकई में नकद है
क्या इसका सचमुच कोई मतलब है?
अगर वह भी नहीं
कभी-कभी यह प्रकट हो सकता है
लेकिन यह सच है
बस पूरी तरह से
बिना है बस नकद
ये पुरुष हर दिन मार रहा है
सिर्फ चमत्कारिक ढंग से
नहीं सचमुच...

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बनते ही 6 घंटे बाद धरासायी हुई गुणवत्ता विहीन पुलिया

» लीपापोती कर अमलीजामा पहनाने की कवायद हुई तेज

- भूपेन्द्र सिंह -
सीतापुर, 25 जून 2024
(घटती-घटना)।

पखवाड़े भर पहले बनते ही धराशाई हुई पुलिया का विभाग ने लीपापोती कर अमलीजामा पहनाने की कवायद तेज कर दिया है । निर्माण कार्य मे बरती गई अनियमितता कमीशनखोरी की पोल खोल कर रख दी । जबकि किसी भी निर्माण कार्य कि गुणवत्ता संबंधित विभाग के अधिकारी व इंजीनियर के कंधे पर होती है, बावजूद इसके बनते ही पुलिया ढह गई। जो इस बात की साफ चुगली कर रही है कि इस कार्य मे बड़े पैमाने पर भ्रटाचार हुआ है। कमीशनखोरी के इस खेल मे जहां पुलिया का स्लैब ढलाई के 6 घंटे के भीतर भरभरा कर गिर पड़ा,इसकी नीव कितनी मजबूत होगी सहज ही इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। यही वजह है कि वहां के ग्रामीणों ने पूरे फाउण्डेशन सहित तोड़ कर पुनः निर्माण करने कि बात उठायी थी किंतु सरपंच एवं अधिकारियो कि मिली भगत से ग्रामीणों की आवाज दबा दी गई । उसी गुणवत्ता विहीन फाउण्डेशन पर स्लैब ढलाई कर अमलीजामा पहनाने की कवायद जारी रहा।

विदित हो कि मुख्यमंत्री घोषणा मद से ग्राम पंचायत बेलजोरा के महूवारीडांड मे दस लाख रुपये की लागत से पुलिया का निर्माण कराया जा रहा था। जो 9 जून 2024 को बन कर तैयार हो गया था। किंतु 6 घंटे के भीतर ही रेत के घरौंदे की तरह वह भरभरा कर गिर पड़ा। जैसे ही इसकी खबर सरपंच व अधिकारियो तक पहुची तो उनके हाथ पांव फूल गये और वे अपनी नैतिक जिम्मेदारी से पल्ला झाडते हुए इसका ठीकरा एक दूसरे पर

फोड़ना शुरू कर दिए।

पुलिया ढहने की खबर लगते ही काफी संख्या में ग्रामीण वहां पहुंच गये और आक्रोश व्यक्त करते हुऐ निर्माण को पूरा तोड़ कर नये सिरे से पुलिया बनाने कि माँग करने लगे,उनका कहना था कि यही एक मात्र रास्ता है जहां से हम लोग अपने खेतों तक ट्रेक्टर लेकर जाते है जिससे खेती का कार्य होता है।

ग्रामीणों ने एजेंसी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस पुलिया निर्माण मे जमकर अनियमितता बरती गई थी जहां सरिया से लेकर गिट्टी बालू तक दोयम दर्जे का उपयोग किया गया था। नतीजतन 6 घंटे भी पुलिया नहीं टिक पायी और ढह गयी।

मामले में सीईओ ने कहा कि मेरे संज्ञान मे आते ही एस डी ओ (तकनीकी शाखा) को क्षतीग्रस्त हिस्सा तोड़ नया पुलिया बनाने निर्देशित किया गया है।

सरपंच बेलजोरा सरिता बघेल ने कहा सभी कार्य को सरपंच खड़ा होकर नहीं करा सकता,इसलिए गांव के लोगो को ही कार्य कराने की जिम्मेदारी दे देते है। मैं मानती हूँ कार्य मे अनियमितता हुई है,पुलिया गिरने की बारिश भी एक वजह हो सकती है,जो भी हो परन्तु जांच करा कर तकनीकी अधिकारी के देखरेख मे क्षतिग्रस्त हिस्सा को पुनः नया बनाया जाएगा।

ठेकेदारी प्रथा से चलता है कार्य

ग्राम पंचायत अंतर्गत सभी निर्माण कार्य का एजेंसी कागजों पर तो ग्राम पंचायत होता है, किंतु धरातल पर स्थिति कुछ और होती है।सरपंच एवं अधिकारियो मिली से निर्माण कार्य ठेकेदारी प्रथा से सम्पादित किया जाता है । महज 6 घंटे के भीतर ढह जाने वाली पुलिया भी ठेकेदारी प्रथा की भेंट चढ़ गयी।

एबीवीपी ने की भ्रष्ट कुलपति अशोक सिंह को हटाने की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 जून 2024
(घटती-घटना)।

बीते दिन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अंबिकापुर के कार्यकर्ता द्वारा संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के समक्ष सत्र 2024 के परीक्षा परिणाम अनियमिता को लेकर आंदोलन किया गया। परिषद के कार्यकर्ता द्वारा बताया गया कि वाड्रफनगर,प्रतापपुर और शंकरगढ़ के कॉलेज के विद्यार्थियों को इंग्लिश विषय में फेल कर दिया गया है,सरगुजा संभाग के लगभग 400 विद्यार्थियों को इंग्लिश विषय में 0 नंबर 1,2,3,4,नंबर दिया गया है, जिससे विद्यार्थी का भविष्य संकट में है इसका अर्थ यह है कि कॉपी जांचने की परदर्शिता सही नहीं है।

जिसके कारण छात्रों में उग्र आक्रोश है । परिषद के कार्यकर्ता द्वारा बताया गया कि जब से सरगुजा विश्वविद्यालय में 2020 से कुलपति की नियुक्ति की गई है तब से लगातार कुलपति जी के ऊपर भ्रष्ट्राचार का आरोप लग रहा है सहायक शिक्षक अखिलेश पाठक जो की TD के सहायक शिक्षक थे उन्हें अपने व्यक्तित्व से नौकरी से हटा दिया जाता है , ऐसे ही प्रिया राय को भी सहायक शिक्षक पद से हटा दिया जाता है सरगुजा विश्वविद्यालय की 60% उत्तर पुस्तिका BHU यूनिवर्सिटी में ही जचने जाती है और वह के शिक्षक

DK सिंह को कुलपति द्वारा करोड़ों रुपये का भुगतान किया जा चूका है।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में यू.टी.डी. के विधि विभाग में निम्न दो नाइमा कुमर अंसारी व नसमुद्दीन खान अतिथि व्याखायाताओ की नियुक्ति कब से तथा उनके नियमों के तहत की गई है। आंदोलन में प्रमुख रूप से उज्ज्वल तिवारी,गोपाल सिंह, अविनाश मंडल, रोहन मंडल, रोनी मिश्रा, इनय साहू, आस्तिक सिंह, रितेश गुप्ता, सृष्टि, लक्की, कैफ, सिद्धार्थ, मयंक शुक्ला,जय सिसोदिया, हिमांशु वा अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नहीं चलेगी मनमानी,सरगुजा कलेक्टर ने जारी किया पत्र

» विभागाध्यक्ष कार्यालयों तथा समस्त मैदानी कार्यालयों हेतु कार्यावधि सुबह 10 बजे से सायं 5.30 बिना सूचना के अनुपस्थित पाये जाने पर उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक / दण्डनात्मक कार्यवाही की जाएगी...

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 जून 2024
(घटती-घटना)।

अधिनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के सबंध में सरगुजा जिला कलेक्टर ने समस्त कार्यालय प्रमुख,समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), समस्त तहसीलदार, व समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत,जिला-सरगुजा को निर्देशित करते हुए राज्य शासन द्वारा शासकीय कार्यालयों के कार्यावधि के सबंध में पूर्व में जारी आदेश को अधिक्रमित करते हुए राज्य के मंत्रालय एवं विभागाध्यक्ष कार्यालयों तथा समस्त मैदानी कार्यालयों हेतु कार्यावधि सुबह 10.00 बजे से सायं 05.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। कार्यालयीन अवधि में भोजन अवकाश पूर्व की भाँति निर्धारित किया गया है।

सरगुजा कलेक्टर ने कहा कि

प्राय- देखने यह आता है,कि जिले में स्थित विभिन्न कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी समय पर उपस्थित नहीं हो रहें है। इसके अतिरिक्त आपके द्वारा भी अपने कार्यालय में संधारित उपस्थित पंजी का नियमित रूप से अवलोकन नहीं किया जा रहा है। यह स्थिति अत्यंत ही खेदजनक है। अतएव उपरोक्त के सबंध में आपको निर्देशित किया जाता है कि सर्व प्रथम कार्यालय प्रमुख अपने कार्यालय में प्रातः 10.00 बजे उपस्थित होकर कार्यालयीन कर्मचारियों की उपस्थित पंजी का अवलोकन कर,अवलोकन किया गया है के सबंध में टीप प्रतिदिन उपस्थित पंजी में करेगें। कार्यालय प्रमुख के अनुपस्थित रहने के स्थिति में उक्त कार्य के लिए अधीनस्थ अधिकारी को अधिकृत करेगे। संधारित उपस्थिति पंजी का अवलोकन उपरान्त जो कर्मचारी समय पर कार्यालय में अनाधिकृत रूप से उपस्थित नहीं पाये गये, उसे उक्त तिथि का आकस्मिक अवकाश स्वीकृत की कार्यवाही करें एवं सबंधित कर्मचारी लगातार 3 दिवस तक अनुपस्थित रहता है, तो उसके विरूद्ध छ0ग0 सिविल सेवा आचरण नियम के बने प्रावधानों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही करें।

कार्यालय में पदस्थ समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी की उपस्थिति निर्धारित कार्यालयीन समय में (प्रातः 10.00 बजे से सायं 05.30 बजे तक) अनिवार्य रूप से उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करायेगें।

आकस्मिक निरीक्षण के दौरान किसी अधिकारी एवं कर्मचारी के पास बिना सूचना के अनुपस्थित पाये जाने पर उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक / दण्डनात्मक कार्यवाही की जावेगी।

हत्या के मामले मे आरोपी कों चंद घंटे मे किया गया गिरफ्तार

» थाना उदयपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे की गई त्वरित कार्यवाही
» आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त तलवार किया गया जप्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 जून 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान के तहत गंभीर अपराधों मे शामिल आरोपियों पर लगातार सख्ती से कार्यवाही कर आरोपियों की धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थिया श्रीमती पार्वती बिंझिया साकिन सलका बाजारपारा उदयपुर दिनांक 24/06/24 कों थाना उदयपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि घटना दिनांक 24/06/24 कों प्रार्थिया का पति मृतक चमरू बिंझिया अपने छोटे भाई बलराम बिंझिया कों लेट लतीफ घर आने की बात कों लेकर डाटा था और 2-4 झापड़ मारा था, वाद विवाद से नाराज होकर मृतक का छोटा भाई बलराम बिंझिया अपने बड़े भाई से लड़ाई झगड़ा करने लगा और इसी बीच आरोपी द्वारा घर मे रखे तलवार कों निकालकर अपने बड़े भाई के ऊपर गंभीर चोट कारित कर दिया, ईलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाने के बाद मृतक फौत कर गया हैं, प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना उदयपुर मे अपराध क्रमांक 134/24 धारा 302 भा.द.वि., 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों के बयान दर्ज किये गए, पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, दौरान पता तलाश आरोपी बलराम बिंझिया की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ

किया गया, आरोपी से पूछताछ करने पर अपना नाम बलराम बिंझिया उम्र 28 वर्ष साकिन सलका बाजारपारा उदयपुर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर बड़े भाई द्वारा लेट घर आने की बात कों लेकर डाट डपट करने एवं 2-4 झापड़ मारने की बात से नाराज होकर आरोपी द्वारा घर मे रखे तलवार कों निकालकर अपने बड़े भाई पर गंभीर चोट कारित कर हत्या कारित करना स्वीकार किया गया, आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त तलवार जप्त किया गया हैं, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से आरोपी कों गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी उदयपुर निरीक्षक कुमारी चंद्राकर, सहायक उप निरीक्षक दिलिप दुबे, प्रधान आरक्षक राजनाथ तिर्की,महिला आरक्षक सुनीति राजवाड़े, आरक्षक विवेक सिंह, देववंदर सिंह, विजय पैकरा शामिल रहे।

आमनागरिकों कों नवीन क़ानून सम्बन्धी जानकारिया प्रदान कर किया जा रहा जागरूक

» 01 जुलाई 2024 से नवीन क़ानून जिले समेत देश भर मे होंगे लागू, नवीन क़ानून मे प्रदत्त ई-एफआईआर की सुविधा के बारे मे दी गई आमनागरिकों कों दी गयी जानकारी
» महिलाओ एवं बच्चों से सम्बंधित अपराधों मे सख्त एवं त्वरित न्याय व्यवस्था होना बताकर नवीन कानूनों मे संगठित अपराधों की न्याय प्रक्रिया बताकर किया गया जागरूक
» पुलिस टीम द्वारा हाट बाजार, स्कूल कॉलेज सहित भीड़ भाड़ वाली जगहों पर नवीन क़ानून के सम्बन्ध मे प्रचार प्रसार कर जागरूकता शिविर का किया जा रहा आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 जून 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत आमनागरिकों मे नवीन कानूनों के सम्बन्ध मे जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय समेत समस्त थाना/चौकी छेत्रो मे आमनागरिकों के बीच जाकर नवीन क़ानून का प्रचार प्रसार किया जा रहा हैं एवं आमनागरिकों कों नवीन क़ानून की सम्बंधित धाराओं की जानकारी भी प्रदान की जा रही हैं,इसी क्रम मे कल दिनांक कों चौकी रघुनाथपुर, थाना कमलेश्वरपुर थाना सीतापुर थाना लखनपुर छेत्र के हाट बाजार एवं भीड़ भाड़ वाली जगहों पर जाकर नवीन कानूनों का क्रियान्वयन 01 जुलाई 24 से होना बताया गया।

पुलिस टीम द्वारा आमनागरिकों कों बताया गया कि किसी भी प्रकरण मे एफआईआर से लेकर कोर्ट के अंतिम निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होंगी,इलेक्ट्रॉनिक तरीके से शिकायत दर्ज करने के तीन दिन के भीतर एफआईआर दर्ज करने का प्रावधान के बारे मे बताया गया, सात साल से अधिक सजा के मामलों में फॉरेंसिक जांच अनिवार्य होने की जानकारी दी गई साथ ही महिला एवं नाबालिगो के यौन उत्पीड़न के मामलों में शामिल आरोपियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही के प्रावधान की जानकारी दी गई,पुलिस टीम द्वारा नवीन क़ानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में आमनागरिकों कों जानकारी देकर जागरूक किया गया, आतंकवाद, मॉब लिंचिंग सहित संगठित अपराध की स्पष्ट व्याख्या हेतु से नये क़ानून आपराधिक प्रवृति के व्यक्तियों के लिए और सख्त होने तथा आमनागरिकों कों न्याय की ओर ले जाने वाला क़ानून होना बताया गया,साथ ही छोटे किस्म के अपराधों के सामुदायिक सेवा का कार्य सौपे जाने की व्यवस्था के बारे मे भी अवगत कराया गया।

पुलिस टीम द्वारा आमनागरिकों कों महिलाओ एवं बच्चों से संबंधित अपराध पोक्सो एक्ट, टोनही प्रताड़ना के बारे मे विस्तार से बताकर जागरूक किया गया, ग्रामीणों कों यातायात के नियम, नशे के दुष्परिणाम,सायबर अपराध ऑनलाइन ठगी के बारे में बताकर विस्तार से चर्चा की गई,बाहरी अनजान व्यक्तियों से वित्तीय लेनदेन मे सतर्कता बरतने की समझाईस दी गई।

राजीव गांधी पीजी कॉलेज में हो रही अव्यवस्था अव्यवस्था को लेकर छात्र नेताओं के द्वारा सौंपा गया ज्ञापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 जून 2024
(घटती-घटना)।

आज राजीव गांधी पीजी कॉलेज के प्राचार्य ,एवं संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में एनएसयूआई छात्र

नेताओं के द्वारा ज्ञापन सोपा गया। जिसमें मुख्य रूप से नई शिक्षा नीति एवं राजीव गांधी पीजी कॉलेज में हो रही अव्यवस्था अव्यवस्था को लेकर, वेबसाइट को लेकर, गड़बड़ी को लेकर, लापरवाही को लेकर, प्राध्यापकों का खराब व्यवहार को लेकर, साइकिल चोरी को लेकर, गार्ड को लेकर, विभिन्न समस्याओं को लेकर ज्ञापन सोपा गया। जिसमें मांग किया गया कि अगर तीन दिनों के अंदर यह सब सही नहीं किया गया तो छात्राओं के द्वारा भूख हड़ताल किया जाएगा जिसका जिम्मेदार कॉलेज प्रशासन होगा। जिसमें मुख्य रूप से मौजूद रहे छात्र नेता ज्ञान तिवारी सुरेंद्र गुप्ता गौतम गुप्ता राहुल पाठक अभिनव काशी विनोद यादव राहुल सिंह राजपूत ओम दुबे यश गुप्ता अमित ठाकुर रोशन राज शाह एवं अन्य।

आपातकाल एवं लोकतंत्र की हत्या विषय पर भाजपा की हुई संगोष्ठी

» आज भी आपातकाल लोकतंत्र पर काले दाग की तरह है : रामसेवक पैकरा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 जून 2024
(घटती-घटना)।

आज 25 जून को आपातकाल एवं लोकतंत्र की हत्या विषय पर संगोष्ठी का आयोजन भाजपा छत्तीसगढ़ प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा सरगुजा जिला कार्यालय संकल्प भवन अम्बिकापुर में मुख्य वक्ता पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा के मुख्य आतिथ्य एवं अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल,लूंड्रॉ विधायक प्रबोध मिंज तथा भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा ने आपातकाल की विभीषिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासनकाल में आज ही के दिन देश में आपातकाल की घोषणा कर सभी के अधिकारों की आजादी छीन ली गई थी। 25 जून की कालरात्रि को मीसा कानून लागू किया गया था, जिसके तहत 21 महीने तक हज़ारों लोगों को गिरफ्तार कर जेल में यातनाएं दी गई। हम उस दिन को काला दिवस के रूप में मनाते हैं। आज उस कालखंड को 49 वर्ष हो गए। आज भी आपातकाल

लोकतंत्र पर काले दाग की तरह है।इस अवसर पर अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने कहा कि आपातकाल वास्तव में काला दिवस था जिसने न जाने कितने घर परिवारों को तबाह किया। मीसा बंदियों ने जो सालों जेल में रहकर संघर्ष किया उसे शब्दों में बयान करना कठिन है। इस अवसर पर लूंड्रॉ विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि भारतीय लोकतन्त्र के इतिहास का एक ऐसा काला अध्याय है आपातकाल जिसे कॉंग्रेस पार्टी तो भुलाना चाहती है परंतु देश याद रखना चाहता है ताकि भविष्य में कभी भी आम आदमी के अधिकारों को छीनने का ऐसा कोई दूसरा प्रयास न हो।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि आपातकाल के समय हमारे अंबिकापुर में भी जनसंघ के नेताओं व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। देवेश्वर सिंह, प्रभु नारायण त्रिपाठी, बाल किशन सिंह सहित जिले में कई ऐसे जनसंघ के नेता रहे जिन्होंने आपातकाल की विभीषिका झेली है। आज हम सभी मीसा बंदियों को कोटि-कोटि नमन करते है। संगोष्ठी में वरिष्ठ नेता त्रिलोक कपूर कुशवाहा, अंबिकेश केशरी,हरपाल सिंह,आलोक दुबे,मधुसूदन शुक्ला,विकास पांडे, निर्मल पांडे तथा किरण सोनी ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर कवि विनोद हर्ष ने मीसा बंदियों पर रचना भी पढ़ी। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता ने तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम प्रभारी विश्वविजय तोमर ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री देवनाथ पैकरा, राजकुमार बंसल, करता राम गुप्ता, मुरारी बंसल, फूलेश्वरी सिंह, विजय व्यापारी, सोनू तिग्गा, शरद सिन्हा सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

CMYK

अगले महीने रूस का दौरा करेंगे पीएम मोदी,राष्ट्रपति पुतिन के साथ होगी बैठक,रूसी मीडिया का दावा

मॉस्को,25 जून 2024। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी मॉस्को दौरे की भारत और रूस योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी।

आरआईए के मुताबिक, एक राजनयिक सूत्र ने संकेत दिया कि पीएम मोदी जुलाई में रूस का दौरा करने वाले हैं। क्रेमलिन ने इससे पहले मार्च में घोषणा की थी कि मोदी को रूस आने का निमंत्रण मिला है। सूत्र ने इस बात की भी पुष्टि की कि पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक बैठक होने वाली है।

पुतिन ने राष्ट्रपति तो मोदी ने पीएम के रूप में ली शपथ

पुतिन ने इस साल मई में लगातार पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। जबकि मोदी ने नौ जून को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति ने एक बयान में आम चुनाव में भाजपा की जीत पर पीएम मोदी को बधाई दी थी।

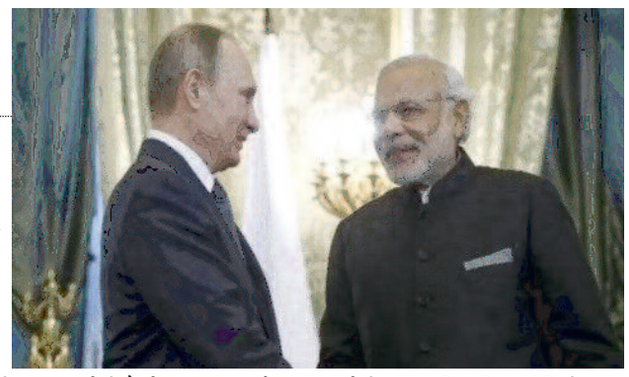

अगर प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा होती है तो यह 2019 के बाद से और यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद बाद उनकी पहली रूस यात्रा होगी। राष्ट्रपति पुतिन आखिरी बार वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए 2021 में नई दिल्ली आए थे। बीते दो वर्षों से यह वार्षिक सम्मेलन आयोजित नहीं किया गया है। पीएम मोदी आखिरी बार 16 सितंबर 2022 को उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मौके पर पुतिन से मिले थे। तब उन्होंने यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने की सलाह दी थी।

भारत ने नहीं की रूस की सार्वजनिक आलोचना

अमेरिका और अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते रणनीतिक और सुरक्षा संबंधों के बावजूद भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रम की सार्वजनिक रूप से आलोचना नहीं की है। भारत ने अमेरिका के शुरुआती दबाव के बावजूद रूसी कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी थी। इसके साथ ही भारत ने कहा था कि घरेलू उर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए इस तरह का कदम उठाना जरूरत है। हालांकि, भारत ने यूक्रेन युद्ध में शत्रुता को खत्म करने और स्थायी समाधान ढूंढने के लिए बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने की बार-बार पैरोकारी की है।

चीन ने रचा इतिहास, चांद के अंधेरे हिस्से से नमूने लाने वाला बना दुनिया का पहला देश

बीजिंग,25 जून 2024। चीन के अंतरिक्ष यान छांगअ 6 का वापसी कैप्सूल मंगलवार की दोपहर 2.07 बजे भीतरी मंगोलिया के सीत्सीवांग बैनर के निर्धारित क्षेत्र में सफलतापूर्वक लैंड हुआ, जिसमें चांद के पिछले हिस्से से एकत्र नमूने लदे हैं। छांगअ 6 ने चांद के दूर के हिस्से से सैंपल जुटाए हैं, जो निकट वाले हिस्से से बहुत अलग है। ऐसा करने वाला चीन पहला देश है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने संदेश भेजकर इस मिशन में भाग लेने वाले सभी कार्यकर्ताओं को जोशपूर्ण बधाई दी और उनका अभिवादन किया। शी चिनफिंग ने अपने बधाई संदेश में कहा कि छांगअ 6 मानव के इतिहास में पहली बार चांद के पिछले हिस्से से नमूने एकत्र कर वापस आया। यह चीन के अंतरिक्ष उड्डयन शक्ति और वैज्ञानिक व प्रौद्योगिकी शक्ति के निर्माण में प्राप्त और एक प्रतीकात्मक उपलब्धि है। 20 साल में चांद सर्वेक्षण परियोजना में भाग लेने वाले सभी लोगों ने एक उच्च गुणवत्ता और कुशलता वाला चांद सर्वेक्षण रास्ता निकाला है।

चीन ने रचा इतिहासः चांद के सुदूर क्षेत्र से नमूने लेकर लौटा चांग ई-6

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दी बधाई...

बीजिंग, 25 जून 2024। चीन के चांग ई-6 अंतरिक्ष यान मंगलवार को धरती पर वापस आ गया। चांद के जिस क्षेत्र में अभी तक किसी देश ने कदम नहीं रखा, चीन के चांग ई-6 ने ऐसे क्षेत्र से नमूने एकत्र किए और धरती पर वापस आ गया। यह पहला ऐसा अंतरिक्ष यान है, जो चीन के सुदूर क्षेत्र से नमूने लेकर धरती पर वापस लौटा है।

चीन के अंतरिक्ष अन्वेषण में ऐतिहासिक कार्यक्रम

चीन के अंतरिक्ष अन्वेषण में यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम साबित हुआ है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने बताया कि यह अभियान पूर्ण रूप से सफल रहा। आगे बताया गया है कि चांग ई-6 को उत्तरी चीन के सिजिवांग में उतारा गया। उधर चीन के प्रधानमंत्री शी जिनपिंग ने चांग ई-6 अभियान की सफलता पर खुशी जताई है। इसी के साथ चीन पहली बार चांद के सुदूर क्षेत्र में पहुंचा और वहां से नमूने एकत्र कर धरती पर ले आया।

चीन विश्व का एकमात्र देश है, जिसके द्वारा चांद के सुदूर क्षेत्र में कदम अपना अंतरिक्ष यान उतारा गया और वहां मौजूद

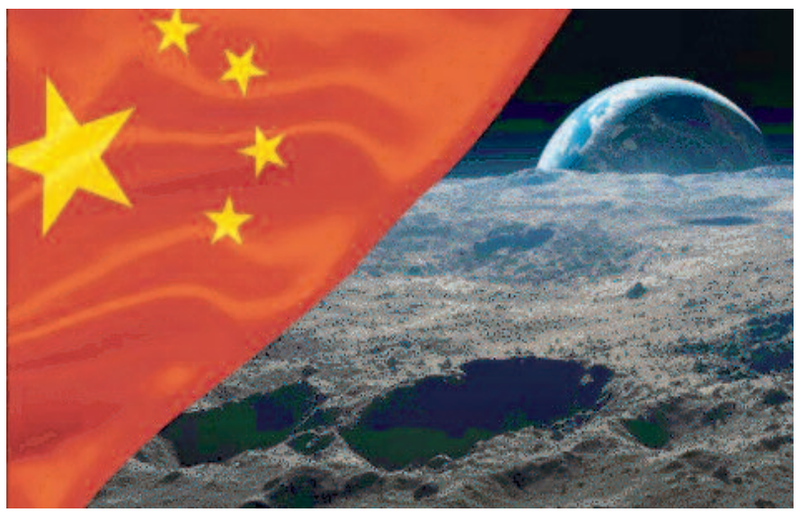

धूल और चट्टानों के नमूने एकत्र किए। चांग ई-6 के पुनः प्रवेश वाले भाग को सिजिवांग से बीजिंग लाया गया है। सीएनएसए ने बताया कि बीजिंग में चांद से एकत्रित किए गए नमूनों को वैज्ञानिकों की टीम को सौंपा जाएगा। इसके बाद इन नमूनों पर शोध किया जाएगा। सीएनएसए ने आगे बताया कि चांग ई-6 चांद से करीब दो किलोग्राम धूल और चट्टानों के नमूने लेकर आया है। चीन के शोधकर्ताओं द्वारा इन नमूनों का परीक्षण किया जाएगा।

अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद

चांग ई-6 को इस वर्ष 3 मई को चांद पर प्रक्षेपित किया गया था। यह अंतरिक्ष यान 2 जून को चांद के सुदूर क्षेत्र पहुंचा था। 4 जून को इसके द्वारा चांद की धूल और चट्टानों के नमूनों को एकत्रित करना शुरू किया। चीन के इस मिशन को पूरा होने में कुल 13 दिन लगे। चांग ई-6 इस मायने में भी खास है क्योंकि इसने चांद के उस हिस्से पर उतरा है, जो हमेशा पृथ्वी से दूर रहा है और यहां पर कभी भी सूर्य की किरणें नहीं पड़ी हैं। ऐसे में इस क्षेत्र के नमूनों से वैज्ञानिक तौर पर अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

वर्ष 2030 तक चांद पर मानव मिशन भेजेगा चीन

नमूनों के परीक्षण से इस बात का खुलासा हो सकता है कि चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ा है और यह अमेरिका और रूस से मुकाबला करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम सैन्य उद्देश्यों के लिए हो सकता है। चीन ने वर्ष 2030 तक चांद पर मानव मिशन भेजने का लक्ष्य तय किया है। अमेरिका भी चांद पर साल 2026 में फिर से मानव मिशन भेजने की योजना बना रहा है।

मोटर सायकल से गांजा परिवहन करने के मामले में एक व्यक्ति को थाना जयनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

» गांजा व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल किया गया जप्त

- संवाददाता -
सूरजपुर,25 जून 2024 (घटती-घटना)।

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को नशे के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते एवं क्षेत्र में सक्रिय मुखबीर का जाल फैलाने के निर्देश दिए है। इसी तारतम्य में दिनांक 25.06.2024 को थाना जयनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि अम्बिकापुर सुखरी तरफ से एचएफ डिलक्स मोटर सायकल में एक व्यक्ति मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने हेतु ग्राम राजापुर तरफ आने वाला है।

थाना जयनगर पुलिस ने सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु ग्राम राजापुर घेराबंदी लगाया जहां एचएफ डिलक्स मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 यू डीएफ 9377 में एक व्यक्ति आते दिखा जिसे रूकने का ईशारा करने पर गाड़ी धीरे कर वापस मोड़ने का प्रयास करने लगा जिसे पकड़ा गया। पूछताछ पर उस व्यक्ति ने अपना नाम ओमप्रकाश चौधरी पिता धनसाय उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम कोईलार टिकरा,थाना दरिमा,जिला सरगुजा का होना बताया जिसके कब्जे से 1 किलो 725 ग्राम गांजा कीमत 18 हजार रूपये का जप्त किया गया। मामले में गांजा व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर आरोपी ओमप्रकाश चौधरी के विरूद्ध धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में नवपदस्थ थाना प्रभारी जयनगर नरेन्द्र सिंह, एसआई सरफराज फिरदौसी, एएसआई वरूण तिवारी, रघुवंश सिंह, सोहन सिंह, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र एक्का, आरक्षक नीरज झा, सैनिक नोहर सिंह, अकबर व मुजाहिद सक्रिय रहे।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों हेतु आवेदन आमंत्रित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 जून 2024 (घटती-घटना)।

एकीकृत बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर के परियोजना अधिकारी ने बताया कि एकीकृत बाल विकास परियोजना के अंतर्गत विभिन्न कारणों से रिक्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता के रिक्त पदों हेतु खुली भर्ती से नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।बाल विकास परियोजना दरिमा अम्बिकापुर-2 में रिक्त पद में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 01 पद एवं सहायिका के 01 रिक्त पदों की भर्ती की जानी है। नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र 06 जुलाई 2024 तक आमंत्रित किये गये हैं। वे अपना आवेदन पत्र बाल विकास परियोजना कार्यालय में कार्य दिवस पर कार्यालयीन समय पर जमा अथवा पंजीकृत डाक द्वारा निर्धारित अवधि तक भेज सकती हैं। नियुक्ति की विस्तृत शर्तों एवं अर्हता के संबध में परियोजना कार्यालय एवं जनपद पंचायत कार्यालय अम्बिकापुर के सूचना फलक पर देखी जा सकती है।

वहीं बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर(ग्रामीण)के परियोजना अधिकारी ने बताया कि गांधीनगर में आंगनबाड़ी केंद्र में रिक्त पद में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 01 पद की भर्ती की जानी है।नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र 08 जुलाई 2024 तक आमंत्रित किये गये हैं। आवेदन पत्र परियोजना कार्यालय अम्बिकापुर ग्रामीण से प्राप्त कर निर्धारित अंतिम तिथि तक कार्यालय में पंजीकृत डाक अथवा स्वयं उपस्थित होकर आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं।

चौकी लटोरी पुलिस ने ग्राम चौपाल लगाकर नए कानूनों,नशा से दूर रहने सहित अन्य जानकारियों से ग्रामीणों को कराया अवगत

- संवाददाता -
सूरजपुर,25 जून 2024 (घटती-घटना)।

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) के द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने, बेहतर पुलिसिंग के साथ ही अच्छी कार्यवाही कर नागरिकों का विश्वास अर्जीत करने, नए कानूनों, नशे की कुरीतियों से लोगों को अवगत कराने और वर्तमान समय में हो रहे धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी देने ग्राम चौपाल का आयोजन करने के निर्देश थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है। इसी परिपेक्ष्य में सोमवार, 24 जून को चौकी लटोरी पुलिस के द्वारा ग्राम मंजिरा के साप्ताहिक बाजार में ग्राम चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों व युवाओं को नशा से दूर रहने की समझाईश सहित अन्य जानकारियां दी गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित ग्राम चौपाल में नवपदस्थ चौकी प्रभारी लटोरी विराट विशी के द्वारा ग्रामीणों को आगामी दिनों में लागू होने वाले 3 नए कानूनों, साइबर क्राईम, वर्तमान में हो रहे धोखाधड़ी से जागरूक रहने की जानकारी देते हुए उनकी शिकायत-समस्याएं को जाना। मौजूद ग्रामीणों-युवाओं से चर्चा कर गांव की स्थिति के बारे में जानकारी ली और नशे से दूरी बनाने की समझाईश देते हुए नशे से होने वाली हानियों के बारे में विस्तार से बताया। ग्रामीणों को कहा कि नशे के धंधे में लिप्त लोगों की सूचना पुलिस को दे ताकि उनके विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही की जा सके। ग्रामीणों को अपराध से बचने की समझाईश दी और वर्तमान दौर में किए जा रहे फ्राड जिनमें बैंक एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने तथा बैंक का अधिकारी अथवा कर्मचारी बनकर मोबाइल से आधार कार्ड एवं एटीएम कार्ड की गोपनीय जानकारी प्राप्त कर बैंक खातों से रकम पार करने की घटित हो रही घटनाओं की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को देते हुए ठगी का शिकार होने से बचने की सलाह दी। यातायात नियमों की जानकारी देते हुए उसका पालन करने की अपील किया।

सतपूड़ा सी वादिया छोटे-मोटे अबूझमाड़ रहने दो !

इन्हीं के बदौलत है जल चक्र धरा पर अषाढ़ रहने दो !

» आषाढ़सये प्रथम दिवस के अवसर पर रामगढ़ महोत्सव में हुआ सरस कवि-सम्मेलन का आयोजन...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिला प्रशासन सरगुजा और आयोजन समिति, रामगढ़ महोत्सव के तत्वावधान में रामगढ़ में सरस कवि-सम्मेलन का आयोजन किया गया। दूर-सूदूर से आए श्रोताओं ने देर शाम तक कवियों द्वारा प्रस्तुत रामकाव्य की सरिता में अवगाहन किया। और आयोजन की मुक्तकंठ से सराहाना की। कार्यक्रम का काव्यमय शानदार संचालन कवि संतोष दास सरल ने किया।

कवि-सम्मेलन के प्रारंभ में वरिष्ठ कवि डा. सपन सिन्हा ने अपने काव्य में केंवट, शबरी, जटायु -जैसे राम के सहायकों के प्रति प्रणम्य भाव प्रदर्शित किया-केंवट के नाव को नमन मेरा,शबरी के भाव को नमन को मेरा, जो दशानन से है लड़ा पहले,जटायु गिद्ध को नमन मेरा। जहां प्रभु रामजी पधारे थे, रामगढ़ गांव को नमन मेरा। रामगढ़ जाने की तैयारी व उत्साह वरिष्ठ कवि एसपी जायसवाल की कविता में दृग्गोचर हुआ-हालु उसरा नोनी कर दाई, चल दुनों झन रामगढ़ जाई। आएज हवे पहिला अषाढ़, रामगढ़ में मेला लागही। तम्बू-कनाथ अउ बड़े-बड़े कर डेरा लागही। रिकिम-रिकिम कर दुकान खाए-पीए बर मिलही। कविवर डां. योगेन्द्र गहरवार ने रामगढ़ की महिमा का सुंदर बखान किया-इस पर्वत पर मेरे रामजी के जीवन का कुछ पल बीता है। मेरे लिए हर पत्थर लक्ष्मण,यहां की रज-रज सीता है। कवयित्री राजलक्ष्मी पाण्डेय ने रामगढ़ को ऐतिहासिक बताया-मैं रामगढ़ की भूमि हूं, रामचन्द्र निवास किए लखन-जानकी साथ लिए। पुरातात्विक हूं, ऐतिहासिक हूं, सांस्कृतिक हूं, आध्यात्मिक हूं। वृक्षों के अभाव में पृथ्वी में निरंतर होती जल की कमी का दर्द कवि विनोद हर्ष की कविता में मुखरित हुआ - सतपुड़ा-सी वादियां, छोटे-मोटे अबुझमाड़ रहने दो। बदौलत इन्हीं के हैं जलचक्र, धरा पर आषाढ़ रहने दो।

कवयित्री पूनम दुबे ''वीणा'' ने भगवान राम के हृदय में निवास करने का समुल्लेख किया - अंतस मन-मंदिर मेरे रहते हैं सियाराम, करती उन्हें प्रणाम! कवि अंचल सिन्हा ने भी यही बात कही - रहे अवध या रामजी, या रहें चद्रखुरी के धाम। मेरे हृदय में बसते हैं श्रीराम! निष्काम कर्म की प्रेरणा कवयित्री अनिता मंदिलवार ने अपने दोहे में दी - नश्वर यह संसार है, काम करो निष्काम, कहां खोजते फिर रहे, मन में ही हैं राम। कवयित्री सीमा तिवारी ने भगवान राम के स्वागत का निवेदन किया - मेरे राम आ गए हैं, दर्शन तो कीजिए। कृतार्थ हो के दिल से, वंदन तो कीजिए। कवि संतोष सरल ने सभी भक्तों से अयोध्या चलने का आग्रह किया - चलो चलें अयोध्या भक्तों, उनका निमंत्रण आया है। मेरे साथियों रामलला ने बुलाया है! मुझे जाना है। जय सियाराम, जय-जय सियाराम!

कवि-सम्मेलन में दोहों के साधक कविवर मुकुन्दलाल साहू ने अपने दोहे में भगवान राम के प्रति अपनी अनन्य भक्ति निष्ठा व्यक्त की-मन में रहते हो तुम्हीं,भजूं तुम्हारा नाम। राम तुम्हीं से वास्ता, मुझे तुम्हीं से काम।

कार्यक्रम में अजय शुक्ल ''बाबा'' ने महाकवि कालिदास द्वारा रामगढ़ में विरचित विश्वप्रसिद्ध कृति ''मेघदूतम्'' को एक उपहार बताया - मेघ चले संदेश ले, सुनो प्रिया के द्वार। मेघदूत के रूप में मिला हमें उपहार। इनके अलावा कवयित्री मीना वर्मा की कविता-गुनाह बस एक था, यक्ष की थी भूल, यक्षिणी की प्रीत में, रीत गया भूल,कवि कृष्णमोहन निगम की-सृजन राम का करती है जो शुभ रामत्व जगाती है, युगों बाद कौशल्या-सी जननी जग को मिल पाती है, कवि राजेश पाण्डेय की रचना-मुस्कुराना जिंदगी है, मुस्कुराइए, गमी हो कोई तो उसको भूल जाइए,गीतकार देवेन्द्रनाथ दुबे का गीत-समय की कीमत जान जगत में, समय बड़ा बलवान, समय की उंगली पकड़ के चलना, कभी न सीना तान, गीतकार कृष्णकांत पाठक का गीत-तुझसे मिलने की आरजू देखो मैं कहां से कहां चला आया, प्रकाश कश्यप की छत्तीगढ़ी दोहा-राम नाम सच्चा हवय, है झूठा संसार, जे एतना जानिस इहां, तेकर बेड़ा पार, ओज के कवि अम्बरीष कश्यप की कविता-किसी के नाम से सीखो, किसी के काम से सीखो,चरित्रवान होने को मर्यादा राम से सीखो और कवि अजय सागर की कविता-इस रामगढ़ी पर्वत पे वो रचना कालजयी आई, जो दुनियाभर में मेघदूत बनके दुनिया को हरषाई और कवित जयंत खानवलकर की भक्ति रचना-राम दुआरे आएंगे,हम सपने नए सजाएंगे, आषाढ़ के प्रथम दिवस में मंगल गान गाएंगे-को श्रोताओं ने खूब सराहा। अंत में शायर-ए-शहर यादव विकास की प्रेरणदायी गजल से कवि-सम्मेलन का यादगार समापन हुआ- फिर किसी ने गजल सुनाई है,कलि गुलशन में मुस्कुराई है। अब जिंदगी में कोई फिक्र नहीं, फिक्र कपड़े उतार आई है। आयोजन को सफल बनाने में जिला परियोजना अधिकारी गिरीश गुप्ता, जिला मिशन समन्वयक रवि तिवारी और जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा का योगदान बहुत सराहनीय रहा।

CMYK

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर -समाचार | अम्बिकापुर, बुधवार 26 जून 2024 | 5

कम सुनने वाले विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी

अपने स्वास्थ्य मंत्री की बात कैसे सुनते होंगे ?

- क्या खुद के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के प्रमाण-पत्रों की जांच करा पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ?
- आखिर स्वास्थ्य मंत्री क्यों नही छोड़ पा रहे दागदार लोगो का साथ ?
- खुद स्वास्थ्य मंत्री ने विधानसभा में की थी घोषणा... करांएगे प्रमाण पत्रों की जांच...
- संजय मरकाम हैं विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी,जो कर रहे हैं फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी,क्या सच में कम सुनाई देता है उन्हे,मामला जांच का विषय ?
- क्या खुद के दागी विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का संलग्नीकरण समाप्त कर पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ?
- एक दागी अफसर की हुई थी नियुक्ति जिन पर है फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी हथियाने का है आरोप...
- खोजबीन के बाद पाया गया प्रमाण-पत्र है फर्जी...लेकिन कार्यवाही नही हुई, पिछली सरकार में दागी अफसर के भाई थे सीएम के ओएसडी इसलिए नही हुई कार्यवाही...क्या अब मिला रहा स्वास्थ्य मंत्री का सरंक्षण ?

-फाईल:फोटो-

-रवि सिंह-
एमसीबी/रायपुर 25 जुन 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश में जहां एक तरफ भाजपा की वर्तमान विष्णुदेव साय सरकार फर्जी दिव्यांगता प्रमाण -पत्र के आधार पर शासकीय विभागों में नौकरी कर रहे लोगों को बर्खास्त कर रही है, वहीं दूसरी तरफ राज्य प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी जो वर्तमान में स्वास्थ्य मंत्री के यहां विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी बतौर संलग्न हैं पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है जिनकी नौकरी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर लगी है और जो श्रवण बाधित न होते हुए भी श्रवण बाधित बने हुए हैं और किसी न किसी एक दिव्यांग का हक मार रहे हैं। छत्तीसगढ़ भाजपा सरकार मे आदि कोई सबसे ज्यादा सुर्खियों में है तो वह है प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल अपने साथ दागदार और किसी ना किसी मामले मे घिरे अधिकारियों को साथ लेकर चल रहे हैं, दागी अधिकारियों के भरोसे वे छत्तीसगढ की बदहाल स्वास्थ्य सुविधा को कैसे पटरी पर लाएंगे यह बड़ा सवाल है। खबर प्रकाशन कर बार-बार उन्हे आगाह किया जा रहा है लेकिन उसके उलट उनके साथ दागियों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है,राजधानी रायपुर स्थित स्वास्थ्य मंत्री के बंगले में दागी स्टाफ की भरमार है। सूत्र बतलाते हैं कि मंत्री के निज सचिव की मुख्य भूमिका इन सभी अधिकारियों को संरक्षण देने में है मंत्री भी निज सचिव के इशारे पर नाचते हैं ऐसा सूत्रों का कहना है।

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-समाचार | अम्बिकापुर, रविवार 18 फरवरी 2024 | 5

क्या खुद के दागी विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का संलग्नीकरण समाप्त कर पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ?

क्या सत्ता किसी दल की हो जुगाड़ बनाकर कुछ अधिकारी ही बार-बार कटेंगे जलवा...अन्य को कभी नहीं मिलेगा मौका ?

क्या दागी सहयोगियों स्टाफ व दलबदलू युवा के भरोसे स्वास्थ्य विभाग संभालेंगे मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ?

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-कोरिया-समाचार | अम्बिकापुर, मंगलवार 05 मार्च 2024 | 6

क्या खुद के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के प्रमाण-पत्रों की जांच करा पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ?

» आखिर स्वास्थ्य मंत्री क्यों नही छोड़ पा रहे दागदार अधिकारियों का साथ ?

» खुद स्वास्थ्य मंत्री ने विधानसभा में की थी घोषणा करांएगे प्रमाण पत्रों की जांच

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना | राजधानी समाचार | अम्बिकापुर,

फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के सहारे कर रहे थे नौकरी, उद्यानिकी विभाग ने 9 अफसरों को किया बर्खास्त

रायपुर,14 मई 2024 (ए)। सीधी भर्ती में दिव्यांग कोटा के तहत उद्यानिकी विभाग में नौकरी हासिल करने वाले 9 ग्रामीण उद्यान अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इन सभी का दिव्यांगता प्रमाण-पत्र फर्जी साबित हुआ है।

सीधी भर्ती में उठाया था फायदा

इन सभी को किया गया बर्खास्त

विधानसभा में घोषणा की थी, करांएगे प्रमाण पत्रों की जांच,क्या दागी अधिकारी के प्रमाण पत्र की होगी जांच

छत्तीसगढ विधानसभा का सत्र अभी हाल ही में संपन्न हुआ है जिसमें एक सदस्य के द्वारा किए गए सवाल का जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने घोषणा की है कि फर्जी प्रमाण-पत्रों की जांच कराएंगे। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा की गई घोषणा के बाद एक सवाल पैदा हो रहा है कि क्या स्वास्थ्य मंत्री वास्तव मे संवेदनशील हैं और अपनी घोषणा पर कायम रहेंगे। क्या अन्य प्रमाण-पत्रों की जांच के साथ ही उनके द्वारा खुद के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम के दिव्यांग प्रमाण पत्र की जांच करवाई जायेगी या फिर उनकी घोषणा महज खोखली बयानबाजी ही साबित होगी।

क्या फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे हैं विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी ?

बतलाया जाता है कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजय मरकाम को विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के पद पर संलग्न किया है,उन पर फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी पाने का पुख्ता प्रमाण घटती-घटना के पास मौजूद है, अभी तक वे किस प्रकार शासकीय सेवा में बने हुए है यह भी सोचनीय विषय है बतलाया जाता कि श्री मरकाम द्वारा अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए जांच को दबवा दिया जाता है जिससे उनकी नौकरी बची हुई है। प्राप्त दस्तावेजो के अनुसार राज्य प्रशासनिक सेवा में डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित संजय कुमार मरकाम पिता रामचंद्र मरकाम निवासी कॉलेज रोड नवापारा सूरजपुर ने हेमुनगर बिलासपुर का पता बतलाते हुए जिला चिकित्सालय बिलासपुर से अपना दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनवाया था और खुद को श्रवण बाधित (सुनने) में दिव्यांग बतलाकर प्रमाण-पत्र बनवाया था हलांकि उनके परिचितों का कहना है कि यह सिर्फ दिखावा था काफी कम ध्वनि को भी सुनने मे वे सक्षम हैं और उनसे धीरे बात करने पर भी वे जवाब दे सकते हैं जिससे उनका प्रमाण-पत्र एकदम संदिग्ध है। बतलाया जाता है कि उक्त अफसर ने स्वास्थ्य मंत्री के यहां नियुक्ति के पूर्व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के यहां भी ओएसडी के लिए प्रयास किया था लेकिन वहां दाल नही गल सकी जिसके बाद उनकी नियुक्ति स्वास्थ्य मंत्री के यहां की गई है।

श्रवण बाधित दिव्यांग प्रमाण-पत्रों की पूरे प्रदेश के हर शासकीय विभाग में जांच की जरूरत,सबसे ज्यादा फर्जीवाड़ा इसी प्रमाण पत्र के आधार पर होता है शासकीय नौकरी में:सूत्र

श्रवण बाधित मामले का प्रमाण-पत्र जारी करवा कर नौकरी पाना प्रदेश में इस संदर्भ में जांच की जरूरत है,सूत्रों की माने तो श्रवण बाधित फर्जी प्रमाण-पत्र जारी करवा कर आज प्रदेश के शासकीय विभागों में कई लोग नौकरी कर रहे हैं जो की जांच का विषय होना चाहिए और इसकी जांच यदि हुई कई मामले में फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी करने वाले समाने आ जायेंगे। बताया जाता है की श्रवण बाधित फर्जी प्रमाण-पत्र प्रदेश में कई जगह कई विभागों में नौकरी के लिए प्रयोग किया जाता रहा है और जांच हुई तो कई चौंकाने वाले खुलासे होंगे जो साबित करेंगे की कैसे कितने लोग आज भी फर्जी प्रमाण-पत्र पर नौकरी कर रहे हैं और किसी दिव्यांग का अधिकार छीन रहे हैं । श्रवण बाधित दिव्यांग प्रमाण-पत्रों की जांच हर शासकीय विभाग की आवश्यक हो चुकी है।

क्या फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र की जांच कराएंगे स्वास्थ्य मंत्री ?

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री इन दिनों अपनी कार्यशैली को लेकर किसी न किसी रूप में चर्चा में हैं,उन्होंने अपने विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के रूप में संजय मरकाम को पदस्थ किया है जिन पर फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर शासकीय सेवा पाने का आरोप है। श्री मरकाम स्वास्थ्य मंत्री के साथ संलग्न हैं और उनका प्रमाण-पत्र भी स्वास्थ्य विभाग से ही बनाया गया है,सवाल उठता है कि इसके बाद भी स्वास्थ्य मंत्री ऐसे दागदार अफसर को अपने साथ रखेंगे या फिर अभी तक जिस फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र मामले पर पर्दा डालकर रखा गया है,उस मामले की जांच कराएंगे। यदि स्वास्थ्य मंत्री यह कदम उठा पाते हैं तो निश्चित ही यह उनका बड़ा कदम होगा जिससे अलग संदेश जाएगा।

संजय मरकाम हैं विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजय मरकाम को विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है, उन पर फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी पाने का आरोप है। बतलाया जाता कि श्री मरकाम द्वारा अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए जांच को दबवा दिया जाता है जिससे वे शासकीय सेवा में बने हुए हैं। घटती घटना के पास जो दस्तावेज मौजूद हैं जो सूत्रों से प्राप्त हुआ है, उसके अनुसार राज्य प्रशासनिक सेवा में डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित संजय कुमार मरकाम पिता रामचंद्र मरकाम निवासी कॉलेज रोड नवापारा सूरजपुर ने हेमुनगर बिलासपुर का पता बतलाते हुए जिला चिकित्सालय बिलासपुर से अपना दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनवाया था और खुद को श्रवण बाधित (सुनने) में दिव्यांग बतलाकर प्रमाण-पत्र बनवाया था। शिकायत के बाद जांच भी हुई कार्यवाही लंबित है लेकिन जांच को बाधित किया जाता है। हलांकि घटती-घटना के सूत्र ने खुद श्री मरकाम से स्वास्थ्य मंत्री के शासकीय आवास में काफी मंद गति से बात किया और यह महसूस किया कि उन्हे सुनने में किसी प्रकार की परेशानी नही है।

स्वास्थ्य संचालक का पत्र रद्दी की टोकरी में

सूत्रों की माने तो दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध संचालक स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ शासन ने अध्यक्ष संभागीय मेडिकल बोर्ड संयुक्त संचालक सह अधीक्षक डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर को एक पत्र के माध्यम से सूचित किया था जिसमें कार्यवाही का उल्लेख था। पत्र के अनुसार अवर सचिव छत्तीसगढ शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नया रायपुर द्वारा राज्य प्रशासनिक सेवा के 4 अधिकारियों का माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार एवं दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 91 के प्रावधानानुसार निर्धारित प्रमाण-पत्र में दिव्यांगता प्रमाण-पत्र का परीक्षण एवं समक्ष में जांच मेडिकल बोर्ड शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर मे कराने हेतु एक निश्चित तिथि एवं समय निर्धारित करने हेतु लिखा गया है। राज्य प्रशासनिक सेवा में डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित सुश्री रेखा चंद्रा,सुश्री अकांक्षा पांडेय,संजय कुमार मरकाम एवं अभिषेक तिवारी का दिव्यांगता का परीक्षण एवं जांच एक निश्चित तिथि एवं समय निर्धारित कर निर्धारित तिथि समय पर संबंधित अधिकारियों को संभागीय मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित होने हेतु सूचित करने कहा गया था एवं प्राप्त निष्कर्ष से अवगत कराने हेतु कहा गया था। लेकिन लंबा समय व्यतीत होने के बाद भी उक्त पत्र पर किसी प्रकार की कार्यवाही नही हुई जिससे माना जा सकता है कि यह पत्र रद्दी की टोकरी में पद और प्रभाव के गलत इस्तेमाल के कारण फेंका जा चुका है।

क्या संलग्नीकरण मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल समाप्त कर पाएंगे ?

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने शुक्रवार को विधानसभा में घोषणा की है कि उनके विभाग में संलग्नीकरण अतिशीध्र समाप्त किया जाएगा जहां जरूरत होगी वहां विभागीय अनुशंसा के बाद ही संलग्नीकरण किया जाएगा,इस घोषणा के बाद एक सवाल ने जन्म ले लिया है कि आखिर खुद स्वास्थ्य मंत्री के साथ विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के रूप में काम कर रहे अफसर जो कि फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे हैं क्या उनका संलग्नीकरण मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल समाप्त कर पाएंगे या फिर इन्ही दागदार अफसरों के भरोसे वे स्वास्थ्य विभाग संभालेगे। स्वास्थ्य मंत्री का स्टाफ इन दिनों काफी चर्चा में हैं घटती घटना में लगातार प्रकाशित हो रहे खबरों के बाद आखिरकार पिछले दिनों उन्होने दो स्टाफ को हटा दिया है लेकिन इसके बाद भी दागी अफसर टिके हुए हैं जो कि आश्चर्यजनक है। बतलाया जाता है कि उक्त दागी अफसर के भाई पिछली कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री के ओएसडी थे जिस कारण दागी अफसर के खिलाफ कार्यवाही नही हुई थी अब एक बार फिर दागी अफसर ने खुद को बचाने के लिए स्वास्थ्य मंत्री के साथ अपना संलग्नीकरण करा लिया हैं। घटती-घटना इस की पुष्टि नहीं करता खबर सूत्रों से मिलि जानकारी व प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर तयार की गई है।

जांच के बाद कार्यवाही नही हुई, प्रभाव का हुआ गलत उपयोग

इस बारे में सूत्रों का कहना है कि विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय कुमार मरकाम के खिलाफ चल रही जांच को प्रभाव के कारण दबवा दिया जाता है,पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में संजय कुमार मरकाम के भाई मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ओएसडी थे,इस कारण भी उनके खिलाफ कार्यवाही नही हो सकी। अब एक बार संजय कुमार मरकाम ने अपनी नौकरी बचाने के लिए स्वास्थ्य मंत्री के साथ खुद को संलग्न करा लिया है,जिससे आगे जांच और कार्यवाही पर प्रश्न चिन्ह खड़ा होने के साथ साथ यह स्पष्ट नजर आने लगा है कि स्वास्थ्य मंत्री ने अपने साथ दागी अफसरो को ही संलग्न कर रखा है जो कि चर्चा का विषय बना हुआ है।

कैसे स्वास्थ्य विभाग सुधारेंगे मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ?

किसी भी मंत्री के कार्यालय में स्टाफ की भूमिका मुख्य होती है,स्टॉफ अगर दागदार है तो उनसे फिर किसी की भलाई की उम्मीद भी नही की जा सकती है। बतलाया जाता है कि उक्त दागी अफसर पूर्व मे जहां पदस्थ रहे वहां भी उनका नाम सुर्खियों और जमीन घोटाले में शामिल रहा है। साथ ही मंत्री के विशेष सहायक आशुतोष पांडेय की कार्यप्रणाली भी काफी चर्चित और विवादित है। मंत्री ने स्टॉफ के रूप में काम कर रहे दो सेवकों को वापिस भी कर दिया है जो कि पूर्व में कांग्रेस सरकार में मंत्रियों के साथ कार्य कर रहे थे। प्रदेश के एक जिम्मेदार विभाग के मंत्री द्वारा आनन फानन में दागी अधिकारी कर्मचारियों की नियुक्ति का मामला भी संदेहास्पद है। ऐसे दागी स्टॉफ के भरोसे स्वास्थ्य मंत्री अपने विभाग को कैसे ठीक कर पाएंगे यह सोचनीय विषय है। वहीं एक अन्य कांग्रेसी युवा जो कि पानी पी पीकर आरएसएस,भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत संघ प्रमुख मोहन भागवत के विषय में अनाप शनाप बाते करता है वह भी मंत्री के रायपुर बंगले में दलाल की तरह सक्रिय है और प्रदेश भर में डाक्टरों से संपर्क कर कुछ भी काम कराने का दावा करते फिर रहा है,स्वास्थ्य मंत्री का कांग्रेसी प्रेम भी इससे कहीं ना कहीं झलक रहा है। यह उनकी कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान है।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के सहारे नौकरी करने वाले उद्यानिकी विभाग के 9 अफसर हुए बर्खास्त..स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी कब होंगे बर्खास्त ?

सीधी भर्ती में दिव्यांग कोटा के तहत उद्यानिकी विभाग में नौकरी हासिल करने वाले 9 ग्रामीण उद्यान अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इन सभी का दिव्यांगता प्रमाण-पत्र फर्जी साबित हुआ है। जांच में खुलासा हुआ कि इन लोगों ने नौकरी प्राप्त करने के लिए गलत प्रमाण पत्रों का उपयोग किया है। इसके आधार पर अब उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। बर्खास्त किए गए सभी कर्मचारी सीधी भर्ती के माध्यम से सेवा में आए थे। उद्यानिकी विभाग में फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाकर सरकारी नौकरी कर रहे लोगों की नामजद सूची प्रस्तुत करते हुए इन सभी को राज्य मेडिकल बोर्ड से शारीरिक परीक्षण कराकर बर्खास्त करने के संबंध में मांग की गई थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए संचालक, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र. वानिकी के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा 2 अप्रैल 2024 को पत्र जारी किया गया, जिसमें संबंधित अधिकारियों को फर्जी एवं गलततरीके से दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर शासकीय नौकरी कर रहे ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारियों के दिव्यांगता का राज्य मेडिकल बोर्ड से शारीरिक परीक्षण के उपरांत बर्खास्त करने आदेश जारी किया। अब इस बर्खास्तगी के बाद यह सवाल खड़ा हो रहा है की क्या अब इसी तरह स्वास्थ्य मंत्री के साथ संलग्न चल रहे विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी भी बर्खास्त होंगे क्योंकि यदि सूत्रों की माने और उपलब्ध दस्तावेजों की माने तो उनका दिव्यांग प्रमाण-पत्र जो की श्रवण बाधित आधार पर बना है वह फर्जी है और जिसके आधार पर वह नौकरी पर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री के यहां संलग्न उक्त अधिकारी को लेकर यह भी बताया जाता है की उनकी नौकरी इसी फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आधार पर प्राप्त की गई नौकरी है और उनके भाई चूंकि पूर्व की कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री के ओएसडी थे इसलिए उनके विषय में न ही जांच हुई न ही कार्यवाही। अब जब उद्यानिकी विभाग ने अपने कर्मचारियों पर बर्खास्तगी की कार्यवाही की है जिसके बाद स्वास्थ्य मंत्री के यहां विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के रूप में संलग्न अधिकारी पर भी कार्यवाही हो बर्खास्त किया जाए उन्हे यह मांग उठ रही है।

CMYK

क्या असफ़ाक उल्लाह के बांटे गए चेक से आज निकलेगा पैसा...कार्यवाही से बचने एकमात्र विकल्प पैसा लौटना?

शिकायतकर्ता ना पहुंचे पुलिस तक इस वजह से पैसा लौटाने 26 जून का दिया समय

निवेशकर्ताओं में भी पैसा वापसी को लेकर बेचैनी,यदि आज नहीं मिला पैसा तो पैसा डूबने की पूरी है संभावना

क्या निवेशकर्ताओं का चेक आज होगा कैश या होगा बाउंस,यदि हुआ बाउंस निवेशकर्ता जाएंगे डूब?

क्या असफाक उल्लाह के बांटे गए चेक आज उगलेंगे कैश,महीनों इंतजार के बाद आज निवेशक पहुचेंगे बैंक?

असफाक उल्लाह का नाम जिले में अब परिचय का मोहताज नही रह गया है। असफाक उल्लाह का नाम कुछ दिनों से काफी सुर्खियों में है वह भी तबसे जबसे यह बात सामने आई है की वह पैसे दुगना करने का व्यवसाय करते हैं और इसके कारण उनके पास लोग पैसा निवेश करते हैं। असफाक उल्लाह का व्यवसाय कैसा है कैसे वह जल्द पैसे वाले बन सके यह बात पिछले कुछ समय से जब प्रकाश में आने लगी लोगों को जब यह बात समझ में आने लगी की वह चिटफंड व्यवसाय करते हैं और जिसके कारण ही वह लोगों का पैसा दुगना करने का दावा करते हैं तभी से लोग जिन्होंने उनके पास निवेश किया था उनसे अपना पैसा वापस मांगने लगे और तभी से उनका व्यवसाय मंदी की दौर से गुजरने लगा क्योंकि जब तक नए निवेशक उन्हे मिलते रहे उनका काम चलता रहा वहीं जबसे उन्हे निवेशक मिलना बंद हुए तबसे उन्हे पैसा लौटने में दिक्कत आने लगी। पैसा वापस नही कर पाने के कारण ही असफाक उल्लाह ने निवेशकों को 25 जून तक का समय दिया था वहीं उन्हे गारंटी बतौर चेक भी दिया था। अब आज वह चेक क्या कैश उगलने वाले हैं या चेक बाउंस होंगे यह पता चलने वाला है। वैसे सूत्रों की माने तो आज चेक सभी के कैश हो जायेगें इसका अनुमान कम है वहीं यदि कैश होंगे भी चेक तो असफाक उल्लाह प्रयास यह करेंगे की जो प्रभावशील हैं उनका चेक पहले कैश हो जिससे उन्हे ज्यादा दवाब न झेलना पड़े और वह निश्चिंत रह सकें।

पैसा लौटाने असफाक उल्लाह ले रहे हैं करोड़ों का बैंक ऋण,यह भी सूत्रों से मिल रही है जानकारी

असफाक उल्लाह अब निवेशकों के तगादे से परेशान हैं। बताया जा रहा है की वह इतने परेशान हैं की वह बैंक से करोड़ों का बैंक ऋण ले रहे हैं। सूत्रों की माने तो बैंक ऋण लिए बिना वह राशि निवेशकों की नहीं लौटा पाएंगे वहीं वह ऋण लेकर भी सभी का पैसा नही चुका पाएंगे। असफाक सबसे पहले उनका पैसा वापस लौटाएंगे जो प्रभावशील हैं या पहुंच पकड़ वाले हैं वहीं शेष बचे आम लोगो का पैसा वह कब लौटाएंगे यह भी स्पष्ट नहीं हैं। सूत्रों की माने तो असफाक उल्लाह इस फिराक में हैं की जो ज्यादा परेशान कर रहा है उसका भुगतान किसी तरह किया जा सके वहीं अन्य का डूब भी जाए उन्हे कोई फर्क नही वह उनसे निपट लेंगे यह बताया जा रहा है। वैसे चेक यदि भजेगा भी तो असफाक उल्लाह जिसे पहले भेजने वाले हैं उसी का भज सकेगा और शेष अन्य को इंतजार करना होगा। वैसे निवेशक एक साथ चेक न लगा दें बैंक में यह भी ध्यान रखकर चल रहे हैं असफाक उल्लाह क्योंकि इससे उन्हे दिक्कत भी हो सकती है।

निवेशकों का पैसे नही मिलने पर टूटेगा सब्र का बांध?

आज निवेशक मियाद अवधि की समाप्ति पर बैंक का रुख कर सकते हैं।असफाक उल्लाह के दिए गए चेक आज कैश होंगे यह असफाक का चेक प्रदान करने के दौरान दावा था। अब यदि आज चेक कैश हो जाता है तो निवेशक चैन की सांस लेंगे वहीं यदि चेक कैश नहीं हुआ तो उनके सब्र का बांध टूट जायेगा। बता दें की असफाक उल्लाह के द्वारा निवेशकों को चेक दिया गया है और यह विश्वास उन्हे दिया गया है की उनका पैसा 26 जून को उन्हे मिल जायेगा ऐसे में यदि महीनों इंतजार के बाद निवेशक पैसा नहीं पाएंगे वह निश्चित बेसब्र हो जायेंगे,वैसे असफाक उल्लाह के द्वारा कितने चेक बांटे गए हैं कुल उनकी देनदारी क्या है यह भी अब उजागर होगा जब निवेशक पैसा नहीं पाने पर खुद बतलाएंगे।

-ओंकार पाण्डेय-
सुरजपुर,25 जुन 2024
(घटती-घटना)।

आज 26 जून की तारीख है और आज ही वह दिन है जिस दिन असफाक उल्लाह निवेशकों को पैसा लौटाएगा। बता दें की असफाक उल्लाह के द्वारा निवेशकों को 25 जून तक का समय दिया गया था और इस हिसाब से आज 26 जून को सभी निवेशकों को पैसा वापस मिल जाना चाहिए । असफाक उल्लाह ने निवेशकों को गारंटी बतौर चेक दिया था जो 26 जून को भज जायेगा यह उनका दावा था जिसके आज भंजने से निवेशकों को उनका पैसा वापस मिल जायेगा और यदि आज चेक नहीं भंजा तो यह माना जायेगा की निवेशकों का पैसा डूब गया। निवेशक आज कई दिनो की बेचैनी और पैसा डूबने के भय के बाद चेक लेकर बैंक जायेंगे जहां यदि उनका चेक भंज गया उनका पैसा उन्हे मिल जायेगा और यदि नहीं भंजा यह मानना उचित होगा की उनका पैसा डूब गया। असफाक उल्लाह के ऊपर पैसा दुगना करने का दावा करने का आरोप है या यह कहें वह लोगों का पैसा कम समय में दुगना करते हैं यह उनकी ख्याति बनती जा रही थी और इसी ख्याति का लाभ लेकर वह लोगों का पैसा निवेश के नाम पर लिया करते थे वहीं जब पैसा दुगना

करने की बात को लेकर खबरों का प्रकाशन शुरू हुआ और जब यह बात लोगों को समझ में आने लगी की कहीं न कहीं वह ठगी का शिकार होते जा रहे हैं लोगों ने पैसा निवेश करना बंद कर दिया और निवेश बंद होते ही असफाक के व्यवसाय जिसे चिटफंड व्यवसाय भी कहना गलत नहीं होगा का चैन टूट गया और उनका पहले के निवेशकों को पैसा लौटाना मुश्किल हो गया जिसके कारण जब पूर्व के निवेशक अपना पैसा वापस मांगने लगे असफाक उल्लाह पैसा लौटा पाने में असमर्थ साबित होने लगा और अंत में उसने एक तारीख दे डाली जिसके अनुसार 25 जून को पैसा दिया जाना था और जो बीत चुकी तारीख है और आज भुगतान का दिन है ऐसा सूत्रों का मानना है।

असफाक उल्लाह का व्यवसाय यदि सही मायने में चिटफंड का नहीं है और वह पैसा दुगना नहीं करते बल्कि वह लोगों को निश्चित लाभ पहुंचाते हैं तो आज लोगों का निवेशकों का चेक भज जायेगा कोई चेक बाउंस नहीं होगा वहीं यदि उनका व्यवसाय चिटफंड की तरह पैसा दुगना करने वाला होगा आज निवेशक यह जान जाएंगे की वह ठगी का शिकार हो गए और उनका पैसा अब उन्हे कभी नहीं मिलने वाला। वैसे असफाक उल्लाह ने निवेशकों को 25 जून तक की मियाद इसलिए दी थी जिससे उसकी शिकायत कोई न करे न ही उसके ऊपर कोई दबाव बनाए,बता दें की जब लगातार यह बात सामने आने लगी थी की असफाक उल्लाह का पैसा दुगना करने का व्यवसाय एक चिटफंड व्यवसाय है और लोगों का पैसा कभी भी डूब सकता है तभी से असफाक उल्लाह के पास निवेशक पहुंच रहे थे और अपना पैसा वापस मांग रहे थे। असफाक उल्लाह चूंकि पैसा नहीं लौटा पा रहा था सभी का इसलिए उसने एक तारीख तय की और उसी दिन का चेक लोगों को जारी कर दिया और जो आज की तारीख है और आज चेक भजने की उम्मीद लेकर सभी वह निवेशक बैंक पहुचेंगे जिन्हे पैसा वापस लेना है और जिनकी मियाद आज की है। वैसे असफाक उल्लाह के द्वारा निवेशकों का पैसा लौटने के लिए बैंक कर्ज लिया जा रहा है बड़ी मात्रा में यह भी खबर हैं सूत्रों के हवाले से लेकिन इस खबर में कितनी सच्चाई है इसकी पुष्टि घटती-घटना नहीं करता।

पुलिस बैठी शिकायत के इंतजार में...

जिले की वहीं उनके गृह क्षेत्र की पुलिस अब शिकायत के इंतजार में बैठी है। पुलिस का मानना है की उन्हे किसी चिटफंड मामले में खुद कार्यवाही करने की जरूरत नही है,जब लोगों का पैसा डूब जायेगा लोग ठगी का शिकार हो जायेंगे वह खुद शिकायत लेकर समाने आयेंगे। घटती-घटना ने कई बार खबर का प्रकाशन करते हुए प्रशासन पुलिस और जिम्मेदारों को आगाह किया था की असफाक उल्लाह चिटफंड का व्यवसाय कर रहा है और आज नहीं कल वह बड़े स्तर पर लोगों को ठगी का शिकार बना लेगा और तब लोग ठगी का शिकार होकर आर्थिक क्षति झेल चुके होंगे जिसके लिए जरूरी है की तत्काल कार्यवाही की जाए। अब तक पुलिस इंतजार में है और वह शिकायत लेकर आने वालों की अर्जी मिलने उपरांत ही कार्यवाही करेगी यह उनका अपना निर्णय है। वैसे असफाक के गृह क्षेत्र की पुलिस असफाक मामले में अनभिज्ञ ही चली आ रही थी और ऐसा क्यों था यह समझने वाली बात है।

असफाक उल्लाह के पार्टनर का बैंक अकाउंट हुआ होल्ड...शहर में अफवाह

शहर में एक अफवाह यह भी फैली हुई है की असफाक उल्लाह के एक पार्टनर का बैंक अकाउंट होल्ड हो गया है वह भी वह इसलिए होल्ड हुआ है क्योंकि उसमे भारी मात्रा में लेनदेन किया गया है। अब यह कौन पार्टनर है क्या अफवाह सही है यह जांच का भी विषय है। दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि अकाउंट होल्ड होने की वजह से असफाक को काफी दिक्कतें जा सकती हैं क्योंकि अशफाक के मसीहा सिर्फ दो व्यक्ति ही हैं एक तो हार्डवेयर दुकान संचालक जो चुप-चुप कर उनसे मिला करते हैं और उनका सहयोग किया करते हैं। एक दिन का अकाउंट होल्ड होने क्या हुआ है यह उन्हें पैसे देकर उनके व्यापार के उतार-चढ़ाव को स्थिर किया करते थे अब यदि उनके अकाउंट होल्ड हो गया है तो उनके ट्रांजैक्शन को लेकर दिक्कतें आ रही हैं वही असफाक की भी सांस ऊपर नीचे हो रही है कहीं पैसा नहीं दिया तो शिकायत करने वालो की कतार लग जाएगा।

रोजगार मिलने से विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों का होगा सामाजिक एवं आर्थिक विकासःमंत्री लखन लाल देवांगन

108 पहाड़ी कोरवाओं-बिरहोर युवाओं को मिला नियुक्ति प्रमाण-पत्र

-संवाददाता-
कोरबा,25 जुन 2024
(घटती-घटना)।

जिले में निवासरत् विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय पहाड़ी कोरवा और बिरहोर जनजाति के 108 बेरोजगार युवाओं को वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल,जिला पंचायत अध्यक्ष शिवकला कंवर, महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं कलेक्टर अजीत वसंत के हाथों जिला खनिज न्यास मद से मानदेय के आधार पर उनके निवास के नजदीक के स्कूलों में योग्यतानुसार भृत्य एवं अतिथि शिक्षक के रूप में नियुक्ति का प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री देवांगन ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खनन प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए डीएमएफ का प्रावधान किया था, आज इसका लाभ धरातल पर नजर आ रहा है।

जिले के मूल निवासी पहाड़ी कोरवाओं और बिरहोरों को डीएमएफ से रोजगार मिलने जा रहा है,यह एक बड़ी उपलब्धि है। किसी भी परिवार में एक सदस्य को भी नौकरी मिल जाती है तो परिवार खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ता है, ठीक रोजगार मिलने से पहाड़ी कोरवा तथा बिरहोर जनजाति समाज का आर्थिक तथा सामाजिक विकास होगा और वे विकास के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। डीएमएफ से मानदेय के आधार पर 79 विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार के युवाओं को भृत्य तथा 29 युवाओं को अतिथि शिक्षक के रूप में रोजगार प्रदान किया गया। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदाय करने नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री देवांगन ने आगे कहा कि देश के प्रधानमंत्री विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को विकास की राह पर आगे लाने निरंतर प्रयासरत् हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से उन्होंने पीवीटीजी निवासरत् क्षेत्रों में बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी छत्तीसगढ़ को विकास की राह में आगे ले जाने के लिए योजना बनाकर कार्य कर रहे हैं। किसान सम्मान निधि,समर्थन मूल्य में वृद्धि, आयुष्मान योजना के माध्यम से किसानों और आम लोगों को लाभ मिलने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास के साथ ही छत्तीसगढ़ महतारी वंदन योजना से प्रदेश की गरीब महिलाओं का आर्थिक विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिला खनिज न्यास मद से क्षेत्र का विकास होने के साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों को नीट व जेईई जैसी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग की व्यवस्था भी कराई गई है। उन्होंने कहा कि रोजगार की तलाश के लिए कुछ लोग राज्य से बाहर भी चले जाते हैं। ऐसे में पिछड़ी जनजाति परिवार के सदस्यों को उनके निवास क्षेत्र के आसपास ही रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है, यह सराहनीय है। रोजगार प्राप्त करने वाले युवा अनावश्यक इस रोजगार को न छोड़ें और इससे अच्छा अवसर न मिलने तक मन लगाकर कार्य करें।

शौंडिक समाज कोरिया एमसीबी संयुक्त जिला कार्यकारिणी घोषित

बैकुंठपुर,25 जून 2024 (घटती-घटना)। पहली बार कोरिया जिले में शौंडिक समाज की कार्यकारिणी घोषित की गई, इससे पहले जिला कार्यकारिणी नहीं बनाई गई थी, पहली बार यह कार्यकारिणी तैयार की गई। कोरिया बैकुंठपुर मनेन्द्रगे भरतपुर चिरमिरी संयुक्त जिला कार्यकारिणी का गठन शौंडिक समाज के द्वारा का किया गया, प्रदेश अध्यक्ष शिवरतन प्रसाद गुप्ता, प्रदेश संरक्षक आशोक गुप्ता, सूरजपुर जिला अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गुप्ता, प्रदेश संगठन महामंत्री नीरज गुप्ता की उपस्थिति में बैठक आहुत की गई, बैठक उपरांत जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें संरक्षक महेंद्र प्रसाद गुप्ता, अनिल प्रसाद गुप्ता, जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता, सचिव विनोद कुमार गुप्ता, सहसचिव पिंटू कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष संदीप कुमार गुप्ता, संगठन महामंत्री राजेश कुमार गुप्ता, जिला कार्यकारिणी श्रीमती कौशल्या देवी को नियुक्त किया गया, वही बैठक विजय गुप्ता, राजमोहन प्रसाद, आर्यन गुप्ता, अरिहंत गुप्ता, की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202406020700077

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2023-24

अंबिकापुर प.ह.नं.00015
[4112/3(0.0370हे.)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-विनय कुमार टोप्पो,
अनावेदक पक्षकार-ओमन्ती टोप्पो

ईश्तहार

आवेदक विनय कुमार टोप्पो आ0 ईलियाजर टोप्पो , निवासी मणीपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अंबिकापुर स्थित खसरा नंबर 4112/3 रकबा 0.037, हे0 भूमि के अपने राजस्व अभिलेख से मृत भूमि स्वामी स्व0 ओमन्ती टोप्पो का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है,

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12/07/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक11/06/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
तहसील अंबिकापुर

डेविड वॉर्नर रिटायरमेंट के लिए हैं तैयार

मेलबर्न,25 जून 2024। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने टी20 विश्व कप 2024 से बाहर होने के बाद डेविड वार्नर के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के संकेत दिए। वार्नर ने टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले सूचित किया था कि यह विश्व कप ऑस्ट्रेलियाई जर्सी में उनका आखिरी प्रदर्शन होगा। हेजलवुड ने भारत से ऑस्ट्रेलिया की हार के बाद मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया था और कहा था कि वार्नर की घोषणा अफगानिस्तान के खेल के परिणाम के बाद हो सकती है। टी 20 विश्व कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया का भाग्य अफगानिस्तान के बांग्लादेश के खिलाफ खेल पर निर्भर था। हालांकि, अफगानिस्तान ने इतिहास रच दिया क्योंकि उन्होंने बांग्लादेश को 8 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। अफगानिस्तान की जीत का मतलब था कि ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट से बाहर हो गया। इससे ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वार्नर के 15 साल पूरे हो सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे क्रिकेट में उनका आखिरी वनडे मैच भी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के दौरान भारत के खिलाफ ही था। टी20आई में वार्नर का संभावित अंतिम नृत्य भी भारत के खिलाफ होगा।, हेज़लवुड ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी धीरे-धीरे ड्रेसिंग रूम में वार्नर की अनुपस्थिति के आदी हो रहे हैं, लेकिन टी20आई से संन्यास लेने के बाद निश्चित रूप से उन्हें उनकी कमी खलेगी। हेज़लवुड ने कहा, ÷अभी तक कुछ नहीं कहा गया है।÷ ÷शाम के खेल से पहले इस [प्रेस कॉन्फ्रेंस] के बाद कुछ कहा जा सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि हम खेल के बाद तक इंतजार करेंगे और फिर हम उस करियर को [स्वीकार] करेंगे। यह अविश्वसनीय रहा है। हम निश्चित रूप से समूह में, मैदान में और मैदान के बाहर उनकी कमी खलेगी - एक अद्भुत ऑल-फॉर्मेट करियर, हेज़लवुड ने कहा। क्या वार्नर संन्यास लेने वाले हैं? हेजलवुड ने कहा, हमें इसका थोड़ा-बहुत अनुभव है।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को धो डाला

» अफगानिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में...

» ऑस्ट्रेलिया बाहर,सेमी में भारत-इंग्लैंड और अफगानिस्तान-साउथ अफ्रीका आमने-सामने...

वेस्टइंडीज,25 जून 2024। वेस्टइंडीज के सेंट विसेंट स्टेडियम में राशिद खान की कप्तानी में अफगानिस्तान की टीम ने इतिहास रच दिया। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अफगानिस्तान की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गई। सुपर-8 के 3 मैचों में ऑस्ट्रेलिया सिर्फ एक जीती और उसके 2 पॉइंट हैं। अफगानिस्तान ने 2 मैच जीते और 4 पॉइंट के साथ सेमीफाइनल में एंट्री की। अब 27 जून को त्रिनिदाद में भारतीय समय अनुसार सुबह 6 बजे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान का मुकाबला साउथ अफ्रीका से होगा। टीम इंडिया इसी दिन रात 8 बजे गयाना में इंग्लैंड से सेमीफाइनल खेलेगी। आज बांग्लादेश से मुकाबले में राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। अफगानिस्तान ने 115 रन का टारगेट दिया। रहमानुल्लाह गुरबाज ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए।

रनचेज कर रही बांग्लादेश की टीम के विकेट लगातार गिरते रहे। अकेले लिटन दास ही डटे रहे। लिटन ने नाबाद रहते हुए 49 गेंदों में 54 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज टिक नहीं सका। बांग्लादेश की टीम 105 रन पर ऑलआउट हो गई।अफगानिस्तान के पेसर नवीन उल हक ने 18वें ओवर में लगातार 2 विकेट लेकर मैच अफगानिस्तान के नाम कर दिया। कप्तान राशिद ने भी इस मुकाबले में 4 विकेट लिए।

टी-20 मैच में 115 रन का टोटल बचा पाना मुश्किल काम है, लेकिन अफगानी पेसर नवीन उल हक ने अपनी शानदार गेंदबाजी से ऐसा कर दिखाया। राशिद खान ने उन्हें पहला ही ओवर दिया। पहले ओवर में नवीन को विकेट नहीं मिला, लेकिन अपने दूसरे ओवर में नवीन ने लगातार 2 विकेट लिए। पहला विकेट था कप्तान नजमुल हसन शांतो का। दूसरा विकेट था दुनिया के टॉप ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का। शाकिब का कैच उन्होंने फॉलोथ्रू में पकड़ा। पावरप्ले में नवीन ने 3 ओवर में 2 विकेट लिए। नवीन की कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। नवीन की वापसी 18 वें ओवर में हुई, जब बांग्लादेश के 8 विकेट गिर चुके थे और उसे जीत के लिए 12 गेंदों में 12 रन चाहिए थे। पहली 3 गेंदों पर सिंगल आए। चौथी बॉल पर सामने थे तस्कीन अहमद, नवीन ने गेंद फेंकी, जो बल्ले से लगकर स्टंप्स से जा टकराई। अब अफगानिस्तान और जीत के बीच सिर्फ एक विकेट का फासला था, लेकिन बारिश आ गई। 2 मिनट में बारिश रुकी और सभी प्लेयर्स मैदान पर आए। नवीन के पास 2 गेंदें बची थीं और बांग्लादेश के पास एक विकेट। सामने थे मुस्तफिजुर रहमान।

नवीन ने तेज रफ्तार गेंद फेंकी जो अंदर की ओर आई और मुस्तफिजुर के पैरों से टकरा गई। अंपायर ने एलबीडब्ल्यू आउट करार दिया। डीआरएस में भी फैसला यही रहा। अफगानिस्तान जीत गई। नवीन ने 4 विकेट लिए।

जीत के हीरो

राशिद खान

अफगानिस्तान के कप्तान जब 7वें ओवर में बॉलिंग करने आए, तो बांग्लादेश 46 रन पर 3 विकेट खो चुकी थी। राशिद ने दबाव का फायदा उठाया और तीसरी ही गेंद पर सौम्य सरकार को आउट किया। इसके बाद राशिद 9वें ओवर में लौटे। इस बार उन्होंने तौहीद हृदौय को पवेलियन भेजा। 11वें ओवर में राशिद खान ने 2 गेंदों पर 2 विकेट लिए।

पहले एक्सपीरियंस बल्लेबाज महमूदुल्लाह को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। इसकी अगली ही गेंद पर रिशाद होसैन को बोल्ड कर दिया। राशिद ने 4 ओवर में 4 विकेट लेकर विनिंग रोल निभाया।

रहमानुल्लाह गुरबाज

गुरबाज ने 43 रन की पारी खेली। 55 गेंदों पर खेली गई ये पारी टी-20 के लिहाज से काफी धीमी थी, लेकिन अफगानिस्तान को 115 के स्कोर तक पहुंचा दिया। गुरबाज ने 3 चौके लगाए और 1 सिक्स। इब्राहिम जादरान के साथ 59 रन की साझेदारी की। ये इस मैच की सबसे बड़ी पार्टनरशिप थी।

अफगानिस्तान की जीत की वजह

राशिद खान की कप्तानीः कप्तान राशिद खान के पास बचाने के लिए बहुत छोटा टोटल था, लेकिन उन्होंने अपने गेंदबाजों का बखूबी इस्तेमाल किया। पावरप्ले में नवीन को पहला ओवर दिया, ये बदलाव उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू किया। इसका रिजल्ट भी मिला। नवीन ने उन्हें पावरप्ले में 2 विकेट दिलाए। फजल हक फारुकी को सही एंड से बॉलिंग कराई, उन्होंने भी पावरप्ले में एक विकेट दिलाया। इसके बाद नूर अहमद और अपने 4 ओवर्स का बेहतर इस्तेमाल किया। पिछले मैच में 8 बॉलर्स इस्तेमाल किए थे, लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ सिर्फ 6 गेंदबाज लगाए। फील्ड प्लेसिंग इस तरह की, ताकि बाउंड्री भी बचाई जा सकें और सिंगल लेने से बल्लेबाजों को रोका जा सके।अफगानिस्तान का ऑल राउंड प्रदर्शनः बल्लेबाजी में अफगानिस्तान की तरफ से सिर्फ एक बड़ी पारी आई, गुरबाज की। लेकिन जादरान के साथ उनकी 59 रन की साझेदारी बांग्लादेश के सामने लड़ाई लड़ने के लिए काफी साबित हुई। फील्डिंग में अफगानिस्तान ने बाउंड्रीज बचाईं,कैच पकड़े। गेंदबाजी में किफायती रहे, किसी भी गेंदबाज की इकॉनमी 7.5 से आगे नहीं गई। लगातार विकेट गिरने से बांग्लादेश दबाव में आ गई।

टर्निंग पॉइंटः नवीन उल हक का आखिरी ओवर

राशिद ने 18वां ओवर नवीन उल हक को दिया। तब बांग्लादेश को 12 रन चाहिए थे। लिटन दास जैसा एक्सपीरियंस बैटर क्रीज पर था और 2 विकेट भी बचे थे। राशिद के पास पिछले मैच में 4 विकेट ले चुके गुलबदीन नईब, टॉप विकेट टेकर फजल हक फारुकी का भी विकल्प था, लेकिन राशिद ने नवीन को चुना। नवीन की पहली 3 गेंदों पर 3 सिंगल आ गए थे। बांग्लादेश को अब 9 रन की दरकार थी। लेकिन नवीन ने स्लोअर ऑफकटर पर तस्कीन अहमद को बोल्ड किया। इसके बाद शानदार इनस्विंगर पर मुस्तफिजुर का विकेट लेकर जीत दिला दी।

फाइटर ऑफ द मैच-लिटन दास

बांग्लादेश के विकेटकीपर लिटन दास ओपनिंग करने आए थे। उन्होंने 54 रन की पारी खेली। 5 चौके और 1 सिक्स लगाया। 6 बल्लेबाजों के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां कीं। क्रीज पर खड़े रहे और धीरे-धीरे स्कोर आगे बढ़ाते रहे, लेकिन दूसरा कोई बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे पाया। 18वें ओवर में भी लिटन बॉलिंग एंड पर खड़े रह गए और टीम ऑलआउट हो गई।

भारत बनाम इंग्लैंड सेमीफाइनल के नए नियम आए सामने

» क्या टीम इंडिया की बढ़ेगी मुश्किल !

नई दिल्ली,25 जून 2024। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। इसके साथ ही अब ये भी तय हो गया कि भारतीय टीम अपने सेमीफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ती हुई नजर आएगी। वहीं साउथ अफ्रीका का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। इस बीच सेमीफाइनल के लिए आईसीसी के नए नियम भी सामने आ गए हैं। अभी तक खेले गए मैचों में नियम कुछ अलग थे, जो अब बदल जाएंगे। इसलिए आपको इनके बारे में विस्तार से जरूर जान लेना चाहिए। सवाल यही है कि क्या इन नए नियमों से भारतीय टीम की मुश्किल बढ़ेगी, यहां आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं।

भारत और इंग्लैंड के बीच 27 जून की शाम को खेला जाएगा दूसरा सेमीफाइनल

भारतीय टीम अपना सेमीफाइनल मैच 27 जून को गयाना में खेलती हुई नजर आएगी। जहां इंग्लैंड की टीम हमारे सामने होगी। ये मैच भारतीय समय अनुसार रात आठ बजे से खेला जाएगा। वहीं इससे करीब आधे घंटे पहले यानी साढ़े सात बजे टॉस होगा।

इसी दिन इससे पहले पहला सेमीफाइनल हो चुका होगा। लेकिन मजे की बात ये है कि दोनों सेमीफाइनल के लिए अलग अलग नियम होंगे। पहले सेमीफाइनल के लिए आईसीसी ने रिजर्व डे का प्रावधान रखा है। यानी मैच में बारिश होती है तो इसे अगले दिन कराया जाएगा। लेकिन भारत बनाम इंग्लैंड मैच के लिए कोई भी रिजर्व डे नहीं रखा गया है।

सेमीफाइनल के लिए आईसीसी ने रखे हैं 250 एक्स्ट्रा मिनट

भारत और इंग्लैंड के मैच में इसलिए रिजर्व डे नहीं रखा गया है, क्योंकि इसके बाद अगले ही दिन यानी 29 जून की शाम को फाइनल खेला जाएगा। इस बीच आईसीसी की ओर से बताया गया है कि दोनों सेमीफाइनल के लिए 250 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम रखा गया है। यानी मैच में अगर बारिश खलल डालती है तो करीब चार घंटे तक इंतजार किया जाएगा। नियम के अनुसार पहले सेमीफाइनल में खेल को अगर 60 मिनट तक और खींचा जाना जरूरी हुआ तो ऐसा किया जाएगा। वहीं अगर मैच रिजर्व डे पर जाता है तो उस दिन 190 मिनट अतिरिक्त दिए जाएंगे। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में, जिस दिन भारत का मैच उस दिन एक साथ 250 मिनट एक्स्ट्रा देने का प्रावधान है।

कम से कम दस ओवर का मैच होना जरूरी

अभी तक आपको मालूम ही है कि अगर बारिश के कारण मैच में खलल पड़ता है तो कम से कम 5 ओवर का मैच होना जरूरी होता है। यानी 5 ओवर से कम के मैच को रद मान लिया जाता है, लेकिन अगर दोनों टीमों ने कम से कम 5 ओवर खेल लिए हैं तो उसका रिजल्ट निकाला जाता है। लेकिन सेमीफाइनल में इसे बढ़ा दिया गया है। जब तक दोनों टीमें कम से कम 10 ओवर नहीं खेल लेती हैं, तब तब रिजल्ट नहीं निकलेगा।

सेमीफाइनल पर बारिश का साया

भारत बनाम इंग्लैंड और अफगानिस्तान बनाम साउथ अफ्रीका दोनों की मैचों में बारिश का साया बताया जाता है। आईसीसी की पूरी कोशिश होगी कि मैच हो और उसके बाद ही विजेता टीम फाइनल में एंट्री करे, लेकिन अगर स्थिति बहुत ज्यादा खराब होती है तो फिर जो टीम अपने ग्रूप में टॉप करती है, वो फाइनल में चली जाएगी। ऐसे में टीम इंडिया बिना मैच खेले ही सीधे फाइनल में चली जाएगी। वहीं दूसरे ग्रुप से साउथ अफ्रीका की टीम फाइनल में जाने की दावेदार होगी। साथ ही ये भी कहा गया है कि अगर फाइनल भी नहीं हो पाता है तो फिर दोनों फाइनल में पहुंची टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा।

अंतिम मैच सप्ताह में प्रवेश के साथ राउंड ऑफ 16 के लिए क्वॉलीफिकेशन परिदृश्य

म्यूनिख,25 जून 2024। यूईएफए यूरो 2024 में ग्रूप मैचों के अंतिम सेट के लिए मंच तैयार होने के साथ, राउंड ऑफ 16 आकार ले रहा है, जिसका समग्र परिणाम मैचों के अंतिम दौर के बाद स्पष्ट होगा, जो गुरुवार (27 जून) को समाप्त होगा। यूईएफए यूरोपीय चैम्पियनशिप के छह समूहों में से प्रत्येक में शीर्ष दो और चार सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमें राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई हैं, जो 29 जून से शुरू होगा। यूईएफए यूरो 2024 से मिली जानकारी के अनुसार, मेजबान जर्मनी,स्विट्जरलैंड,स्पेन और पुर्तगाल पहले ही राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं और ग्रुप मैचों के अंतिम दौर के अंत में ही पूरी लाइन-अप स्पष्ट होगी।

ग्रूप ए जर्मनी वर्तमान में दो जीत और एक ड्रॉ से सात अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि स्विट्जरलैंड एक जीत और दो ड्रॉ से पांच अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। जर्मनी ग्रूप विजेता के रूप में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गया है। स्विट्जरलैंड ग्रुप उपविजेता के रूप में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गया है। हंगरी तीसरे स्थान पर रहा है, लेकिन अभी तक बाहर नहीं हुआ है या बाहर नहीं हुआ है। स्कॉटलैंड चौथे स्थान पर बाहर

हो गया है। ग्रूप बी स्पेन ग्रुप विजेता के रूप में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गया है। इटली अगर क्रोएशिया के खिलाफ हार से बचता है तो वह ग्रूप उपविजेता के रूप में राउंड ऑफ 16 में पहुंच जाएगा। अगर इटली हार जाता है और अल्बानिया स्पेन को हरा देता है तो इटली राउंड ऑफ 16 में नहीं पहुंच पाएगा। अगर अल्बानिया स्पेन को हरा देता है और क्रोएशिया इटली को हरा देता है तो वह ग्रूप उपविजेता के रूप में राउंड ऑफ 16 में पहुंच जाएगा, बशर्ते अल्बानिया समग्र गोल अंतर या फिर समग्र गोल स्कोर या फिर अनुशासनात्मक अंक या फिर यूरोपीय क्वालीफायर रैंकिंग में क्रोएशिया से आगे हो। अगर अल्बानिया हार जाता है या अगर वह ड्रॉ करता है और क्रोएशिया इटली को हरा देता है तो वह राउंड ऑफ 16 में नहीं पहुंच पाएगा।

कौन थीं वो अदाकारा बचपन में जिनकी तस्वीर जेब में रखकर घूमते थे बॉबी देओल

बॉबी देओल का 90 के दशक में जलवा रहा है। उन्होंने बरसात से लेकर गुप्त और प्यार हो गया करीब सोल्जर जैसी कई फिल्मों में काम किया। बॉबी देओल ने अपने पिता धर्मेंद्र की मूवीज से अपनी शुरुआत की थी। एक पुराने इंटरव्यू में खुद धर्मेंद्र ने बताया था कि वह कौन सी एक्ट्रेस थी जिन पर उनके लाडले अपना दिल हार बैठे थे। बॉबी देओल ने 90 के दशक में अपने रोमांटिक अंदाज से हर किसी का दिल जीता। उन्होंने साल 1977 में अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की थी। एक्टर ने फिल्म धर्मवीर में पिता धर्मेंद्र के बचपन का रोल अदा किया था ।इसके बाद उनकी युवा अभिनेता के रूप में पहली फिल्म बरसात थी, जो साल 1995 में रिलीज हुई थी। 90 के दशक में अपने रोमांटिक अंदाज और लुक से जहां उन्होंने फीमेल फैंस को दीवाना बनाया था, तो वहीं खुद बॉबी देओल छोटी उम्र से ही एक एक्ट्रेस को इतना ज्यादा पसंद करते थे कि वह उनकी तस्वीर को अपनी जेब में लेकर घूमते थे। इतना ही नहीं, प्यार से बॉबी देओल ने उन्हें एक नाम भी दे दिया था, जिसके बारे में खुद धर्मेंद्र ने एक इंटरव्यू में बताया था।

किस अभिनेत्री के दीवाने थे बॉबी देओल?

बॉबी देओल पर भले ही हजारों लड़कियों ने अपना दिल हारा हो, लेकिन उनके दिल पर तो गुड्डी एक्ट्रेस का नाम छप गया था। पिता धर्मेंद्र ने अपने छोटे बेटे से जुड़े इस मजेदार किस्से के बारे में प्रभु चावला के शो में बात की थी।

जया बच्चन को प्यार से इस नाम से बुलाते थे बॉबी

धर्मेंद्र ने बॉबी देओल की बचपन से जया बच्चन के लिए दीवानगी का किस्सा आगे सुनाते हुए कहा, मैंने जब बॉबी से ये पूछा कि ये कौन है, तो वह मुझसे कहता था कि जया भदारु है। जब मैंने जया को बताया कि वो उनको जया भदारु बुलाता है और जेब में तस्वीर लेकर घूमता है, तो वह काफी खुश हुई।आपको बता दें कि धर्मेंद्र और जया बच्चन ने गुड्डी शोले, फागुन, चुपके-चुपके जैसी फिल्मों में काम किया। हाल ही में दोनों एक लंबे समय बाद करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में दिखाई दिए थे, जिसमें उन दोनों ने पति-पत्नी का किरदार अदा किया था। सालों बाद इनकी जोड़ी देखकर फैंस के खिल उठे थे।

राम के बाद अब रावण बनेंगे प्रभास? विष्णु मंचू की कन्नप्पा में बाहुबली एक्टर के रोल को लेकर आई ये खबर

प्रभास सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग एन्जॉय करते हैं। इन दिनों एक्टर कल्कि 2898 एडी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म की रिलीज को ज्यादा दिनों का वक्त नहीं बचा है। इस बीच एक्टर के एक और फिल्म में महत्वपूर्ण रोल करने की खबर सामने आई है। आदिपुरुष के बाद फैंस प्रभास को एक बार फिर पौराणिक रोल में देख सकते हैं।

बाहुबली एक्टर प्रभास अपने फैंस को कई धमाकेदार फिल्मों से एंटरटेन करने के लिए तैयार हैं। कुछ ही दिनों में कल्कि 2898 एडी रिलीज होने वाली है। इस मेगा बजट मूवी के अलावा प्रभास के एक और फिल्म में होने की बात सामने आई है।

कन्नप्पा है अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म

अक्षय कुमार तेलुगू सिनेमा में डेब्यू करने वाले हैं। टॉलीवुड इंडस्ट्री में उनकी पहली फिल्म कन्नप्पा होगी।

कुछ दिनों पहले हैदराबाद में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इस मूवी में अक्षय कुमार लीड रोल में तो नजर नहीं आएंगे, लेकिन उनका किरदार किसी अहम रोल से कम भी नहीं होगा।

कन्नप्पा में प्रभास की एंट्री?

अक्षय कुमार इस मूवी में भगवान शिव के रोल में नजर आएंगे। वहीं, ऐसी भी रिपोर्ट आई थी कि प्रभास भी इस मूवी का हिस्सा होंगे। हालांकि,उनके रोल को लेकर संशय बना हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, एक्टर इस मूवी में रावण के रोल में नजर आ सकते हैं।

कन्नप्पा फिल्म के टीजर को तेलुगू सहित हिंदी और बाकी भाषाओं में भी रिलीज किया गया है। यूट्यूब पर फिल्म के टीजर को 10 दिन में 20 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले हैं।

कन्नप्पा की स्टार कास्ट

फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें, तो विष्णु मंचू फिल्म के लीड एक्टर होंगे। उनके अलावा मोहन बाबू, काजल अग्रवार, सरथ कुमार के भी होने की चर्चा है। फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार, काजल अग्रवाल और शिव राजकुमार कैमियो रोल में होंगे। पैन इंडिया लेवल पर रिलीज होने वाली ये मूवी तमिल, तेलुगू, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी।

रश्मिका मंदाना ने बचपन की सहेलियों संग शेयर की अनदेखी तस्वीरें,दिखा पुष्पा की श्रीवल्ली का सिंपल अंदाज

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी फिल्म पुष्पा 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस श्रीवल्ली की भूमिका में एक बार फिर नजर आएंगी, जिसके लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। इसी बीच हाल ही में रश्मिका मंदाना ने अपनी बचपन की सहेलियों संग कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

साउथ फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलाव दिखाने वाली रश्मिका मंदाना ने अब बॉलीवुड में भी अपनी साख जमा ली हैं। एनिमल की सफलता के बाद एक्ट्रेस नॉर्थ इंडिया में भी काफी लोकप्रिय हो चुकी हैं। एक्ट्रेस को बैक टू बैक फिल्में मिल रही हैं और उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल भी कर रही हैं। वहीं फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी लाइफ अपडेट से लेकर डेली अपडेट भी साझा करती हैं। इसी बीच अब हाल ही में रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टा पर अपनी बचपन की सहेलियों संग कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

छत्तीसगढ़ में साय कैबिनेट का जल्द होगा विस्तार

» पीएम मोदी से मिले सीएम विष्णुदेव...

» दिल्ली से लौटने के बाद कर सकते हैं घोषणा...

रायपुर,25 जून 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कैबिनेट का विस्तार जल्द होगा। सीएम विष्णुदेव साय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद भवन में मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी।

सीएम साय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दोपहर 12 बजे मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री साय और मोदी के बीच प्रदेश के दो नए मंत्रियों की नियुक्ति को लेकर मंत्रणा हुई। इसके बाद साय दोपहर तीन बजे संसद भवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात करेंगे। बता दें कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार की रात दिल्ली रवाना हुए।

बताया जाता है कि मुख्यमंत्री दिल्ली से लौटने के बाद नए मंत्रियों के नाम का ऐलान कर सकते हैं। इसके बाद जुलाई के प्रथम सप्ताह में मंत्रियों का शपथ समारोह आयोजित किया जाएगा। बता दें कि दो दिन पहले सीएम ने राज्यपाल बिस्वभूषण हरिचंदन से मुलाकात की थी, तभी से साय कैबिनेट के विस्तार को लेकर चर्चा तेज है.

छत्तीसगढ़ कैबिनेट में दो मंत्रियों का पद रिक्त

सांसद बनने के बाद 17 जून को मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने साय कैबिनेट से इस्तीफा दिया था, उसके बाद प्रदेश दो मंत्रियों का पद रिक्त है। अभी मुख्यमंत्री समेत 11 मंत्री कार्यरत हैं। राज्यपाल द्वारा बृजमोहन अग्रवाल का 20 जून 2024 को मंत्री पद से इस्तीफा मंजूर करने के बाद बृजमोहन के तमाम स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग का प्रभार फिलहाल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ही संभाल रहे हैं।

जीएसटी में पदस्थ कई अफसर किए गए इधर से उधर

रायपुर,25 जून 2024(ए)। भोपाल कैडर नियंत्रण क्षेत्र में लंबे समय से जमे सेंट्रल जीएसटी केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क के सुपरिटेंडेंट का बड़े पैमाने पर तबादला हुआ है. इसमें जो लम्बे समय से रायपुर में पदस्थ थे उन्हें नागपुर और भोपाल भेज दिया गया है।

बलौदाबाजार हिंसा पर मायावती ने जताई चिंता

रायपुर,25 जून 2024(ए)। बलौदा बाजार मे हुई हिंसा और आगजनी की घटना को बसपा प्रमुख मायावती ने षड्यंत्रकारी असामाजिक तत्वों द्वारा कि गई कार्रवाई बताया है और कड़ी निंदा की है। इसपर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शांति का टापू है और इसे बनाए रखने कि हरसंभव कोशिश की जाएगी। कुछ निहित स्वार्थी तत्व राजनीतिक प्रश्रय पा कर समाज मे विष बोने का काम कर रहे हैं, उनसे कड़ाई से निपटा जाएगा। मुख्यमंत्री ने उपद्रवियों की निंदा किये जाने पर बसपा सुप्रीमो मायावती का आभार व्यक्त किया है। आज दोपहर बसपा प्रमुख मायावती ने अपने ट्वीटर हैन्डल पर गिरौदपुरी में जैतखंभ को क्षति पहुचाए जाने की घटना को असमाजिक तत्वों का कृत्य बताते हुए चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि

इसके विरोध मे सतनामी समाज द्वारा सीबीआई जांच की मांग को लेकर बलौदा बाजार मे किये गए धरना प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर परिसर में षड्यंत्रकारी असामाजिक तत्वों द्वारा की गई तोड़-फोड़ आदि की घटना भी अति निंदनीय है। जिस पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी अपने ङ्क हैन्डल पर जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने लिखा- धन्यवाद सुश्री मायावती, छत्तीसगढ़ शांति का टापू है और इसे बनाये रखने की हरसंभव कोशिश की जायेगी। प्रदेश की शांति व्यवस्था को कायम रखना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लिखा कि कुछ निहित स्वार्थी तत्व राजनीतिक प्रश्रय पा कर समाज में विष बोने का काम कर रहे हैं, उनसे कड़ाई से निपटा जायेगा। हर समाज के लोग यहां आपस में सौहार्द के साथ रहते हैं। आपने उपद्रवियों की निंदा की इसके लिए पुनः धन्यवाद आपका। पूज्य गुरु घासीदास के उपदेश हमारे लिए प्रेरक हैं। %मनखे मनखे एक समान' की भावना से ही हमारी सरकार काम कर रही है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यभार संभाला अजय सिंह ने

रायपुर,25 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के पांचवें निर्वाचन आयुक्त के तौर पर आज अजय सिंह ने कार्यभार संभाल लिया है। 1983 बैच के आई.ए.एस. अधिकारी अजय सिंह फरवरी 2020 में शासकीय सेवा से निवृत्त हुए हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्ति से पहले वे उपाध्यक्ष,राज्य योजना आयोग के तौर पर सेवाएं दे रहे थे। वहां से पदमुक्त होकर उन्होंने आज राज्य निर्वाचन आयुक्त का पदभार ग्रहण किया है।

आम निर्वाचन की तैयारियों पर दिया जोर

इस मौके पर आयोग के सचिव डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से आयुक्त अजय सिंह का संक्षिप्त परिचय कराते हुए इन अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों की भी जानकारी दी। आयुक्त सिंह ने इसके बाद आयोग के सभी कक्षों का मुआयना किया और आने वाले समय में होने वाले नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन के लिए तैयारियां करने पर जोर दिया है।राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह के पदभार ग्रहण करने के मौके पर आयोग की ओर से उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस मौके पर सचिव डॉ. भुरे, उप सचिव डॉ. नेहा कपूर, अवर सचिव डॉ. अनुप्रिया मिश्रा तथा अवर सचिव प्रणय कुमार वर्मा सहित आयोग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

माशिम ने जारी की दूसरी परीक्षा के तारीखों का ऐलान

» 7059 स्टूडेंट्स ने किया आवेदन...

रायपुर,25 जून 2024 (ए)। माशिमं ने 10वीं-12वीं बोर्ड द्वितीय मुख्य परीक्षा 2024 के लिए समय-सारिणी घोषित कर दी है। बता दें बोर्ड परीक्षाओं में फेल हुए छात्रों के लिए एक और मौका है। इस सत्र से बोर्ड की मुख्य परीक्षा दो बार होगी। हाई स्कूल की दूसरी बार आयोजित परीक्षा में अब तक 7059 छात्रों के आवेदन आएं हैं। हायर सेकेंडरी एग्जाम में दूसरी बार शामिल होने के लिए 6826 छात्रों ने आवेदन किया। इस परीक्षा में प्रथम,द्वितीय और तृतीय श्रेणी के छात्र भी आवेदन कर रहे हैं। 23 जून तक प्रथम श्रेणी के 140, द्वितीय श्रेणी के 238, तृतीय से 21, कुल 399 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव पुष्पा साहू ने कहा कि हमारी तैयारियां पूरी हैं और परीक्षार्थियों की मदद के लिए टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। फेल होने वाले छात्र परीक्षा में शामिल हो कर अपना भविष्य

सुधार सकेंगे। हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 23 जुलाई से प्रारंभ होकर 12 जुलाई तक आयोजित की जायेगी। वहीं हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 24 जुलाई से प्रारंभ होकर 8 अगस्त तक आयोजित की जायेगी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने जारी की वेबसाइट

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने द्वितीय मुख्य परीक्षा हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों को द्वितीय परीक्षा में भाग लेने के लिए तारीख निर्धारित कर दी है। ऐसे विद्यार्थी जो इस परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं वह नियमित परीक्षार्थी अपने विद्यालय से या अवसर परीक्षार्थी समन्वय संस्थाओं के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही परीक्षा एवं परीक्षा संबंधित निर्देश आदि की जानकारी के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल की वेबसाइट एचटीटीपीएसः//सीजीबीएसई.एनआई.सी.आई.एन/ पर उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे साप्ताहिक जनदर्शन 27 जून से होगा शुरू

रायपुर,25 जून 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आम जनों से मुलाकात का कार्यक्रम 'जनदर्शन' 27 जून से शुरू हो रहा है. यह कार्यक्रम हर गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के जनदर्शन कार्यक्रम में जन सरोकारों की बातें होंगी। साय जनदर्शन में समस्याओं को सुनकर उसका यथोचित निराकरण भी करेंगे। इसके साथ ही जनता के सुझाव, शासकीय योजनाओं की उन तक पहुंच की जानकारी आदि भी इस माध्यम से प्राप्त करेंगे।जनदर्शन में आमजन सीधे मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें अपनी समस्या से अवगत करा सकेंगे। मुख्यमंत्री साय वहीं पर समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश भी जारी करेंगे. जनदर्शन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है।

सरकार ने शराब खरीद की व्यवस्था बदलने के बाद हाईकोर्ट में लगाया कैविएट

रायपुर,25 जून 2024 (ए)। सरकार द्वारा संचालित शराब के व्यवसाय में खरीदी की व्यवस्था में बड़े बदलाव के बाद इस मामले को लेकर हाई कोर्ट में कैविएट दायर किया गया है। सरकार को इस बात की आशंका है कि व्यवस्था में बदलाव से शराब सिंडीकेट पर असर पड़ेगा और वे इस फैसले के खिलाफ कोर्ट जा सकते हैं। इसी वजह से सरकार पहले ही कोर्ट पहुंच गई है और केवियेट दाखिल कर दिया है ताकि सरकार के इस फैसले के खिलाफ कोई भी कोर्ट से एकतरफा स्टे हासिल न कर सके।

अफसरों के अनुसार केवियेट दाखिल कर देने से अब इस मामले में कोई भी

याचिका कोर्ट में लगाई जाएगी तो कोर्ट फैसला देने से पहले राज्य सरकार का पक्ष जरुर सुनेगी।दरअसल एक नियम में बदलाव करके साय सरकार ने शराब में चल रहे बड़े खेल को खत्म कर दिया है। प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने एल-10 लायसेंस के जरिये अपने चहेते फर्मों को सप्लाई का जिम्मा दे दिया। इससे राज्य में जहां अवैध शराब, नकली शराब की बिक्री धड़ल्ले से होने लगी, वहीं नकली होलो ग्राम चिपकाकर बोतलों की स्कैनिंग किए बिना बड़ी मात्रा में शराब बेची गई। इससे राज्य सरकार को कथित तौर पर हजारों करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ और शराब उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को भी गंभीर क्षति हुई।

आज से खुलेंगे सभी स्कूल

रायपुर,25 जून 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में सभी स्कूल कल से पुनः खुलने जा रहे हैं। राज्य सरकार ने भीषण गर्मी के कारण स्कूलों की गर्मी की छुट्टियों को 25 जून तक बढ़ा दिया था। छात्र और शिक्षक अब स्कूलों में नियमित कक्षाएं फिर से शुरू करेंगे। राज्य शिक्षा विभाग ने स्कूल प्रबंधन से सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सभी स्कूलों को पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था करने और कक्षाओं को ठंडा रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। स्कूलों के खुलने के साथ ही, राज्य के विभिन्न जिलों में शिक्षा का नियमित क्रम फिर से बहाल हो जाएगा। सरकार ने सभी छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों को समय पर स्कूल भेजें और उन्हें स्कूल के निर्देशों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र की अधिसूचना जारी

रायपुर,25 जून 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र अगले महीने शुरू होगा। यह सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 26 जुलाई तक चलेगी। इस दौरान कुल 5 बैठकें होगी। मानसून सत्र को लेकर विधानसभा सचिवालय ने आदेश जारी कर दिया है। विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा की ओर से अधिसूचना में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ की षष्ठम् विधान सभा का तृतीय सत्र सोमवार, 22 जुलाई, 2024 से प्रारंभ होकर शुक्रवार, 26 जुलाई, 2024 तक रहेगा। इस सत्र में कुल 05 बैठकें होंगी।इस सत्र में वित्तीय कार्य के

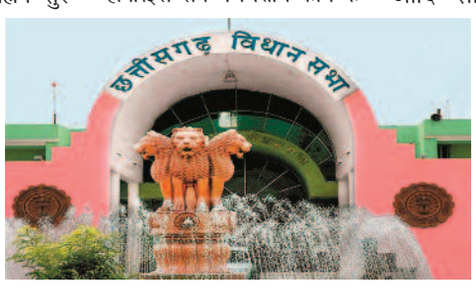

साथ अन्य शासकीय कार्य सम्पादित किये जायेंगे।

इस सत्र में साय सरकार बजट के कई प्रविधानों को लागू करने की घोषणा कर सकती है, जिसमें अधोसंरचना विकास से लेकर सरकारी विभागों में भर्तियां आदि शामिल हैं। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में विभिन्न घोटालों को लेकर बनी जांच समितियों की कार्यवाही व रिपोर्ट पर भी इस सत्र में चर्चा हो सकती है। इस मानसून सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण संशोधन विधेयकों पर निर्णय ले सकती है, जिसमें मतांतरण कानून, नक्सलवाद पुर्नवास नीति संशोधन विधेयक आदि शामिल हैं।

जुड़वा बच्चों का डीएनए अलग-अलग होने पर हॉस्पिटल में हंगामा

रायपुर,25 जून 2024 (ए)। बच्चा बदले जाने का यह सनसनीखेज मामला राजधानी रायपुर स्थित पहलाजानी टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर का बताया जा रहा है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार कर रहा है, लेकिन पीड़ित का आरोप है कि उन्हें जुड़वा बच्चे होने की जानकारी दी गई थी। इन जुड़वा बच्चों में एक बेटा और बेटी होना बताया गया था, लेकिन अस्पताल ने उन्हें 2 बेटी सौंप दी। जब उन्होंने दोनों बेटियों का निजी लैब में

डीएनए टेस्ट कराया तो एक का डीएनए उनसे मिल रहा है, जबकि दूसरे का बिल्कुल भी नहीं मिल रहा है। पीड़ित ने मामले की थाने में भी शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई हैपीड़ित का नाम अशोक सिंह सिंह है। ओशक मूल रुप से बड़े बचेली के रहने वाले हैं, फिलहाल वे रायपुर में रहते हैं। पीड़ित के बताए अनुसार उनका एक बेटा था जिसकी मौत हो गई। बेटे की मौत से पत्नी की मानिसक स्थिति बिगड़ गई। वह बार-बार बेटे की मांग करती थी। अशोक सिंह के अनुसार उन्होंने टेस्ट ट्यूब बेबी के लिए मोटी रकम खर्च की। अस्पताल में पहले उन्हें बताया कि जुड़वा बच्चे हुए हैं, जिनमें से एक बेटा और दूसरी बेटी है, लेकिन डिस्चार्ज के समय उन्हें दो बेटी सौंप दी गई।

साली ने डॉक्टर जीजा के घर में लगाई फांसी

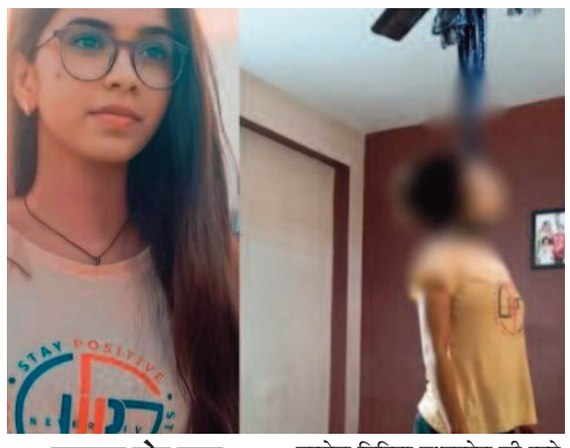

सुसाइड नोट जब्त

बालोद,25 जून 2024 (ए)। जिले में कोतवाली थाना क्षेत्र के सिवनी गांव में एक युवती ने अपने जीजा के घर फांसी लगाकर ख़ुदकुशी कर ली। मृतिका का नाम साक्षी बरसेना है जो कि विदिशा मध्यप्रदेश की रहने वाली थी. घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची बालोद पुलिस ने सुसाइड नोट बरामद किया है.। जिसमें उसने किसी को तंग न करने की बात कहते हुए मौत की जिम्मेदार खुद को बताया है।. पुलिस के मुताबिक, मृतिका का नाम साक्षी बरसेना (उम्र 23 साल) पिता का नाम अनिरुद्ध बरसेना विदिशा मध्यप्रदेश की रहने वाली है। वह 18 मई को अपनी बड़ी बहन के साथ बालोद में अपने जीजा के घर आई थी। मृतिका के जीजा डॉक्टर रविन्द्र वर्मा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीपरछेड़ी में डॉक्टर है और सिवनी में देवकान सोनी के घर किराए के मकान में रहते है। घटना के वक्त दीदी-जीजा और उनके बच्चे समान लेने बाजार गए हुए थे। इसी दौरान साक्षी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। जब वह वापस घर लौटे तो उन्होंने देखा की साक्षी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. जिसके बाद उन्होंने कोतवाली पुलिस को इसकी जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ में आज से भारी बारिश की संभावना

विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

रायपुर,25 जून 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री के बाद से मौसम में बदलाव देखने को मिल तो रहा है, अब प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई है। इसी बीच मौसम विभाग ने आज रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा संभाग में हल्की बारिश होने की संभावना जताई है।

सोमवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान बलरामपुर में 37.6 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.1 डिग्री नारायणपुर में रिकॉर्ड गया।

वहीं विभाग ने 26 जून से मानसून की गतिविधियां बढ़ने और भारी बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। रायपुर में बादल छाए हुए हैं।

गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार आज दिन का तापमान 35 डिग्री और रात का तापमान 26 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के कई जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं, 26 जून को मौसम विभाग ने पेंड्रा, बिलासपुर, रायगढ़,मुंगेली, कोरबा और जांजगीर जिले में हैवी रेन फॉल का यलो अलर्ट जारी किया है।इसी तरह 27 जून को गरियाबंद, धमतरी, रायगढ़, बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा, बस्तर, कोंडागांव और कांकेर जिले में हैवी रेन फॉल का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)